RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम
स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 41 ता. 06 अगस्त 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

केदारघाटी से कुल्लू-मनाली बारिश बाढ़

मलवे में दबे घर,कार और बंद हुए रास्ते बयां कर रहे हैं बर्वादी की कहानी

नई दिल्ली।

केदारघाटी से लेकर कुल्लू मनाली तक बाढ और बारिश के कहर का मंजर दिखाई देता है। गांव के गांव तबाही से बिखरे पड़े हैं। यहां जगह जगह भारी भरकम पत्थर पड़े दिखाई दे रहे हैं। मलबे में घर दबे है और जेसीबी मशीने अपना काम कर रहीं है। सोमवार तड़के से डीडीएमओ नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में डॉग स्क्वायड रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया है। वहीं, सोमवार सुबह 100 लोगों को सुरक्ष बलों की देखरेख में श्री केदारनाथ धाम से लिनचोली हेलीपैड के लिए रवाना कर दिया गया है। इन यात्रियों को लिनचोली से एयर लिफ्ट कर शेरसी हैलीपैड पर उतारा जाएगा। कुछ यात्रियों को पैदल मार्ग से लिंचोली भेजा गया। इसके अलावा एनडीआरएफ की टीमें जंगल एव मंदाकिनी नदी के आसपास भी लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उत्तराखंड में भी कुदरत ने रौद्र रूप दिखाया। भारी बारिश से केदारघाटी में तबाही मची है। उत्तराखंड की केदार घाटी में बादल फटने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। एनडीआरएफ,एसडीआरएफ और सेना लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। हर एक शख्स को सुरक्षित निकालने की कोशिश में लगी है। प्रशासन के मुताबिक, केदारनाथ के रास्ते में भीमबली, गौरीकुंड से यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास जारी है। यात्रियों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का भी सहारा लिया जा रहा है।सोनप्रयाग में रेस्क्यू का काम इसलिए भी मुश्किल है कि क्योंकि 31 जुलाई से अब तक 300 से ज्यादा सड़कें लैंडस्लाइड की वजह से बंद हो चुकी हैं। कई टीमें रास्तों को फिर से ठीक करने में जुटी हैं। इस बीच मौसम विभाग ने चमोली, बागेश्वर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश से पहले प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित निकालने में जुटा हुआ है। रविवार देर शाम तक स्निफर डॉग की मदद से सर्च अभियान जारी रहा। लिनचोली से रामबाड़ा क्षेत्र तक सर्च अभियान पूरा किया जा चुका है, जिसमें अब तक किसी व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। मॉनसून की बारिश अगस्त के महीने में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऐसी आफत लेकर आई कि जगह-जगह पहाड़ दरक रहे हैं। मौसम का ऐसा रोद्र रूप दिखाई दे रहा है कि नदी-नाले उफान पर हैं। हिमाचल और उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। सैलाब ने घर, दुकानें, खेत-खलिहान सब कुछ तबाह कर दिए हैं। मौसम का सितम लोगों की जान पर भी भारी पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली और लाहौल-स्पीति में कुदरत का कहर टूटा है, जहां बादल फटने से जबरदस्त तबाही मची है। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के बाद मची तबाही को संभालने की कोशिशें जारी हैं। रामपुर, मंडी, कुल्लू के सुदूर इलाकों से बर्बादी की तस्वीरें और खौफनाक कहानियां सामने आ रही हैं। इस बीच कुदरत का कहर लाहौल-स्पीति पर भी बरपा है,जहां बादल फटने के बाद कई गांवों में मलबा बिखरा हुआ है। स्पीति के सगनम गांव में जगह-जगह बिखरी चट्टानें नजर आ रही हैं। मलबे में दबे घर दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि हिमाचल में बादल फटने की इस घटना में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 40 लोग अभी लापता है।

लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री ने दी जानकारी

सहारा-ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रहा एसएफआईओ

- अब तक 19,650 लोगों ने रिफंड मांगा, इनमें से 17,250 दावों का निपटारा हुआ

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सीरियस फॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) सहारा ग्रुप की कंपनियों से संबंधित मामले की डिटेल्ड जांच कर रहा है। एसएफआईओ की रिपोर्ट के बाद ग्रुप पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोकसभा में सवाल किया गया कि सहारा ग्रुप की कंपनियों के सभी निवेशक रिफंड का दावा करने के लिए आगे क्यों नहीं आए हैं? इसके जवाब में सीतारमण ने कहा कि सहारा ग्रुप के सभी मामलों की निगरानी सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जा रही है और सरकार शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार काम कर रही है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि एसएफआईओ के डिटेल्ड एनालिसिस के बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी और कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सहारा ग्रुप की कंपनियों में 3.7 करोड़ निवेशक हैं और अब तक 19,650 लोग रिफंड का दावा करने के लिए आगे आए हैं। सीतारमण ने कहा कि इन दावों में से 17,250 दावों का निपटारा कर दिया गया है। जबकि बाकी आवेदकों को और कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है, ताकि उनके दावों का निपटारा किया जा सके।

वित्त मंत्री ने कहा के यह सच है कि केवल छोटे निवेशक ही रिफंड का दावा करने के लिए आगे आए हैं। एसएफआईओ पूरे मामले की जांच कर रहा है। वह इस बात की भी जांच कर रहा है कि सभी निवेशक रिफंड का दावा करने के लिए आगे क्यों नहीं आए हैं और वे कहां हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार चाहकर भी सहारा ग्रुप की कंपनियों के मामले में कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि हर चीज पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी है। उन्होंने कहा, हम लगातार सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट कर रहे हैं।

2018 में एसएफआईओ को सौंप दी गई

दिसंबर 2023 में वित्त मंत्रालय द्वारा संसद को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, सहारा ग्रुप की तीन कंपनियों के मामलों की जांच 31 अक्टूबर 2018 को एसएफआईओ को सौंप दी गई थी। ये कंपनियां हैं- सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, सहारा क्यू शॉप यूनीक प्रोडक्ट्स रेंज लिमिटेड और सहारा क्यू गोल्ड मार्ट लिमिटेड। इसके अलावा 27 अक्टूबर 2020 को ग्रुप की छह अन्य कंपनियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए गए थे।

देश में पहली बार स्किल्ड के आधार पर जनगणना

हैदराबाद ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जाति जनगणना के पहले कौशल जनगणना कराने का निर्णय लिया है। अगस्त माह से यह जनगणना शुरू होने जा रही है। इसमें युवाओं और बेरोजगारों के पास जो स्किल्ड है। उसकी गणना करके आधिकारिक रिकार्ड तैयार किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के 20 लाख युवाओं को नौकरियां दिए जाने का लक्ष्य आंध्र प्रदेश की सरकार ने बनाया है। उल्लेखनीय है आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा तकनीकी और व्यावसायिक संस्थान हैं। युवाओं की योग्यता के अनुसार उन्हें काम दिलाने में सरकार मदद करेगी। आंध्र प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य होगा। जो बेरोजगारों की वास्तविक स्किल्ड के अनुसार डेटाबेस तैयार करेगा। जनगणना के दौरान आंध्र प्रदेश के अधिकारी युवाओं से उनकी स्किल्ड जानकर दो वर्गों में पंजीयन करेंगे। 15 से 29 वर्ष की उम्र के लोगों का एक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। 30 वर्ष से लेकर 59 वर्ष तक की आयु का एक अलग डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। आंध्रा में मौजूद शिक्षित और अशिक्षित युवाओं को उनकी दक्षता के आधार पर डाटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस डेटाबेस के तैयार होने के बाद सरकारी संस्थाओं और निजी संस्थानों में इन्हें रोजगार अथवा नौकरी दी जाएगी। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सभी विश्वविद्यालय और कॉलेजों को कहा है। वह रोजगार मूलक पाठ्यक्रम तैयार कर उसकी शिक्षा देने का काम शुरू करें। योग्यता के अनुसार युवाओं को नौकरी और रोजगार दिलाने में आंध्र प्रदेश की सरकार सहायता करेगी।

हिमाचल प्रदेश में आपदा से निपटने सरकार की मदद करेगा विपक्ष

शिमला।

हिमाचल प्रदेश में इन दिनों भीषण तबाही मची है। राज्य सरकार को अब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने आपदा से घिरे लोगों को तत्काल राहत देने की मांग की है। साथ ही कहा कि विपक्ष हर संभव मदद करने के लिए राज्य सरकार के साथ खड़ा है। इससे पहले जयराम ठाकुर ने शिमला में आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने आपदा में लापता लोगों के परिजनों से मुलाकात की। ठाकुर ने राहत कार्यों की समीक्षा की थी। उन्होंने राज्य सरकार से आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल राहत देने के लिए जरुरी प्रबंध करने की मांग की है। उन्होंने राज्य सरकार से भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने और जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की भी मांग की। जयराम ठाकुर ने कहा कि विपक्ष सरकार को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। सरकार से अनुरोध है कि तलाशी अभियान में तेजी लाए ताकि लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढा जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सर्च ऑपरेशन के साथ-साथ आपदा में बचे लोगों की तत्काल मदद के लिए राहत शिविरों और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जानी चाहिए। मंडी और शिमला जिलों से चार शव मिलने के साथ ही राज्य के तीन जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ अब तक 13 लोगों की मौत हो गई है। कुल्लू के निरमंड, सैंज व मलाणा, मंडी जिले के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में बादल फटने की कई घटनाओं ने भारी तबाही मचाई। इन घटनाओं के बाद अब भी 40 से ज्यादा लोग लापता हैं।

केजरीवाल को राहत नहीं, गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- जमानत के लिए आप जा सकते हैं ट्रायल कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से राहत नहीं मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की जमानत याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि वह जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। हाईकोर्ट ने 17 जुलाई को केजरीवाल की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था जिसमें कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी।

हाईकोर्ट ने सोमवार के आदेश में कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के की गई थी। जहां तक जमानत का सवाल है तो इसे ट्रायल कोर्ट में जाने की आजादी के साथ इस याचिका खारिज किया जाता है। कोर्ट ने केजरीवाल और सीबीआई के वकील की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को केजरीवाल की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था।

उनकी गिरफ्तारी को दिखावा बताते हुए केजरीवाल के वकील ने तर्क दिया था कि सीबीआई उन्हें गिरफ्तार नहीं करना चाहती थी और उनके पास उन्हें हिरासत में लेने के लिए कोई सामग्री भी नहीं थी और घटनाओं के अनुक्रम से यह साफ हो गया कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तार किया गया था कि वह जेल में रहें। सीबीआई के वकील ने केजरीवाल की दोनों दलीलों का विरोध किया था और कहा था कि उनकी गिरफ्तारी को बीमा गिरफ्तारी कहना अनुचित था और कहा कि वह उत्पाद शुल्क घोटाले के सूत्रधार थे और अपराध में उनकी संलिप्तता दिखाने के लिए सबूत थे।

बता दें केजरीवाल को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था, जहां वह अभी भी ईडी द्वारा दायर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बंद हैं। सीएम केजरीवाल जिन्हें 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था, उनको 20 जून को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत दे दी थी। हालांकि, ट्रायल कोर्ट के आदेश पर कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

बिहार के युवा 10वीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम करना नहीं चाहते

-प्रशांत किशोर ने एक जनसभा में कहा-जन सुराज युवाओं की जिद है

पटना।

राजनीति के पंडित प्रशांत किशोर ने एक जनसभा में जन सुराज के जरिए राजनीति में आने की न्यूनतम योग्यता पर बात कही। उन्होंने कहा कि ये तय करना जरुरी है कि बिहार के युवा 10वीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम नहीं करना चाहते हैं। तेजस्वी यादव का नाम लिए बगैर पीके ने कहा कि याद रखिए, मैंने 10वीं फेल कहा है। 9वीं फेल नहीं कहा है।

बिहार की राजधानी पटना में युवा संवाद का आयोजन किया गया। इसमें प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज यहां के युवाओं की जिद है। जन सुराज हम लोगों का संकल्प भी है। जन सुराज एक व्यवस्था भी है। उन्होंने कहा कि जन सुराज एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें गरीब से गरीब घर का युवक यहां आकर समाज के लिए, बिहार के लिए कुछ करना चाहता है। समाज और राजनीति में सुधार के लिए और अपने बच्चों का भविष्य को बनाने कुछ करना चहता है तो आपको पैसे की चिंता नहीं करनी है। जाति की चिंता नहीं करनी है। चुनाव जीतने और हारने की चिंता नहीं करनी है। वह चिंता जनसुराज और अपने बेटे और भाई प्रशांत किशोर पर छोड़ दीजिए और बिहार को सुधारने के लिए खड़े हो जाइए। 21 महीनों से चल रहे जन सुराज अभियान को दो अक्टूबर को राजनीतिक दल बनाया है।

पीके ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता को भी एक कंडिशन बनाया जाए। पिछले बैठक में 15 हजार लोगों की बैठक में सहमति नहीं बनीं थी। किसी ने कहा था बीए, किसे ने कहा दसवीं, फिर लोगों ने कहा नहीं भैया 12वीं, किसी ने कहा होना ही नहीं चाहिए। सारे लोग जरा सोचकर बताएं। क्या जन सुराज में पद के लिए, चुनाव लड़ने के लिए, पढ़ाई और डिग्री, क्वालीफिकेशन का क्राइटेरिया होना चाहिए या नहीं।

प्रशांत ने आगे कहा कि जब हम सभा करते हैं तो लोग कहते हैं, डिग्री क्वालीफिकेशन का क्राइटेरिया होना चाहिए और सभा खत्म होते ही कहते हैं नहीं होना चाहिए। अब आपने कहा पढ़ाई का क्राइटेरिया होना चाहिए। क्योंकि बिहार के लोग दसवीं फेल लोगों के नेतृत्व में काम करना नहीं चाहते। मैंने दसवीं फेल कहा है। नौवीं फेल नहीं कहा।

पहला कॉलम

अनुच्छेद 370 की पांचवीं वर्षगांठ......अमरनाथ यात्रा रोकी गई

नई दिल्ली । अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की पांचवीं वर्षगांठ के मद्देनजर सोमवार, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस की सलाह में कहा गया है कि विभिन्न आधार शिविरों के बीच अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों के काफिले की आवाजाही नहीं होना चाहिए। एहतियात के तौर पर, तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को कश्मीर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई। सेना के अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर यात्रा को दिन भर के लिए रोक दिया गया है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई पांचवीं वर्षगांठ मनाने और भारतीय संघ में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण का जश्न मनाने के लिए एकात्म महोत्सव रैली आयोजित करेगी। रैली आरएस पुरा के बाना सिंह स्टेडियम में होगी और कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव और पूर्व एमएलसी विबोध गुप्ता ने कहा कि 5 अगस्त 2019 का दिन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण दिन है। पांच साल पहले इसी महत्वपूर्ण दिन पर, एक ऐतिहासिक भूल को सुधारा गया था और हम, जम्मू-कश्मीर के लोग, शेष भारत के साथ पूरी तरह से एकजुट हो गए थे। कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जैसी विपक्षी पार्टियों ने अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि पांच साल में क्या हासिल हुआ, बीजेपी को लोगों, खासकर डोगराओं के घावों पर नमक छिड़कने के बजाय उन्हें जवाब देना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर दिखे घुसपैठिये, सेना ने बरसाईं गोलियां, तलाश शुरु

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर एलओसी के पास रविवार देर रात संदिग्ध घुसपैठियों की गतिविधि की सूचना मिलते ही सेना के जवानों ने उन पर गोलीबारी की। दूसरी तरफ से गोलीबारी की कोई सूचना नहीं है, लेकिन सीमा पार से घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए अखनूर और सुंदरबनी सेक्टर में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक जम्मू के बाहरी इलाके अखनूर के बट्टल सेक्टर में रात करीब डेढ़ बजे तीन से चार घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके बाद सेना के जवानों ने उन पर गोलियां दागीं। रात में इलाके में ड्रोन के जरिये निगरानी की गई और कड़ी घेराबंदी के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। सुबह होते ही तलाश अभियान शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक सेना के जवानों ने राजौरी जिले के सुंदरबनी-नौशेरा सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद उन्होंने कई राउंड गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि एलओसी से सटे इलाके में तलाश अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को रद्द किए जाने के पांच साल सोमवार को पूरे हो गए, जिसके मद्देनजर केंद्र-शासित प्रदेश में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे लोग, सीएम ने तारीफ कर लिखा, देवभूमि की 'अतिथि देवो भवः' की संस्कृति

रुद्रप्रयाग । उत्तराखंड में भारी बारिश और बादल फटने से केदारनाथ धाम के रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में फंसे लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। लोगों को खोजने स्निफर डॉग की मदद ली जा रही है। लिनचोली से रामबाड़ा क्षेत्र तक सर्च अभियान पूरा हो चुका है। जिसमें अब तक किसी व्यक्ति के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सोमवार को डीडीएमओ नंदन सिंह रजवार के नेतृत्व में रामबाड़ा से भीमबली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया। श्री केदारनाथ धाम से 100 लोगों को सुरक्षाबलों की निगरानी में लिनचोली हेलीपैड रवाना किया है। वहीं, एनडीआरएफ की टीमें जंगल एवं मंदाकिनी नदी के करीब सर्च अभियान चला रही हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लिखा कि यही है देवभूमि की 'अतिथि देवो भव:' की संस्कृति। केदारनाथ क्षेत्र में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रशासन को लोगों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। पोस्ट में कुछ लोगों का नाम लिखते हुए सीएम ने कहा कि ग्रामीण बढ़ चढ़कर प्रशासन के साथ बचाव कार्यों में जुटे हैं। सभी लोगों के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि अतिवृष्टि की वजह से होने वाले बड़े नुकसान को रोका जा सका है। आप सभी का हृदय की गहराइयों से आभार। सीएम धामी ने दूसरे पोस्ट में लिखा कि केदारघाटी में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। ध्वस्त पड़े रास्तों और पैदल पुलों को ठीक करने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

योगी सरकार का नजूल संपत्ति बिल लाएगा भूचालः बीजेपी सांसद

-गोंडा 70 फीसदी नजूल की जमीन पर बसा, आगरा, अयोध्या का भी यही हाल

लखनऊ।

यूपी की योगी सरकार के नजूल संपत्ति बिल को कैसरगंज से बीजेपी सांसद रहे बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि किस मंशा से ये विधेयक लाया गया है। एक लाइन में पूछा जाए तो इस कदम से यूपी में भूचाल आ जाएगा। गोंडा शहर 70 फीसदी नजूल की जमीन पर बसा है। ऐसा ही आगरा, अयोध्या आदि का हाल है।

बृजभूषण ने कहा कि शायद योगी सरकार को यह नहीं पता है कि कितने लोग नजूल की जमीन पर रह रहे हैं। सरकार बस यह बताया गया है कि नजूल की जमीन पर कुछ भू-माफिया और बड़े लोगों का कब्जा है और उससे मुक्ति दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने जनभावना को समझा और इस नजूल संपत्ति बिल को सेलेक्ट कमेटी को भेज दिया। पूर्व बीजेपी सांसद ने यह भी कहा कि बड़े-बड़े मंदिर भी नजूल की जमीन पर बने हैं। इस तरीके से तो एक नहीं हजारों मंदिर टूटेंगे। गोंडा शहर तो 70फीसदी नजूल की जमीन पर बसा है। आगरा, अयोध्या जैसे शहरों का भी यही हाल है। बता दें कि पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने यह बात सौभागपुर में पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस को थोड़ी सी सीट ज्यादा मिल गई हैं, लेकिन यह राहुल जी की काबिलियत पर नहीं मिली हैं, कुछ समीकरण ऐसे बने तो मिली। अखिलेश जी को कांग्रेस से हटा दीजिए तो राहुल गांधी कितने बड़े योद्धा हैं सबको पता है। जो खुद बैसाखी पर टिके हुए हैं, वह आज चक्रव्यूह तोड़ने की बात कर रहे हैं। यह लोग मुगालते में हैं। इन्होंने ही कहा था कि हिंदू हिंसक होता है। आने वाले समय में यह बड़ा मुद्दा बनेगा। हिंदू हिंसक नहीं हो सकता, ये बात राहुल जी के वामपंथी साथी लिखकर उन्हें देते हैं।

गौरतलब है कि योगी सरकार नजूल संपत्ति पर नए बिल को लेकर घिर गई है। इसका बिल यूपी विधानसभा में तो पास हो गया था, लेकिन अगले ही दिन विधान परिषद में अटक गया। अटका भी सिर्फ विपक्ष के कारण ही नहीं, बल्कि खुद बीजेपी विधायकों ने भी इसका विरोध किया था। अब इस बिल को प्रवर समिति के पास भेजा गया है। अब प्रवर समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर कोई फैसला हो सकेगा।

ई-वाहन खरीद्दारों को झटका.......देना होगा रोड टैक्स का 50 फीसदी

छत्तीसगढ़ सरकार ने लागू किया नियम

रायपुर ।

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वाले लोगों को 25 अगस्त से रोड टैक्स का 50 फीसदी भुगतान करना होगा। राज्य सरकार के निर्देश पर परिवहन विभाग ने ईवी पर मिल रही छूट को समाप्त कर दिया है। इसके बाद दोपहिया और तीन पहिया से लेकर कार की कीमत 3 से 40 हजार रुपए तक बढ़ेगी, क्योंकि यह राशि खरीदार को वाहन की कीमत के साथ रोड टैक्स के रूप में देनी होगी।

ईवी पॉलिसी के तहत, 25 अगस्त 2022 से 24 अगस्त 2024 तक रोड टैक्स से छूट दी गई थी।

दी गई छूट समाप्त हो रही है और नए आदेश के अनुसार, 25 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2026 तक, दोपहिया वाहन पर 4 फीसदी और कार पर 5 फीसदी रोड टैक्स देना होगा। इसके बाद, 25 अगस्त 2026 से 24 अगस्त 2027 तक, रोड टैक्स में केवल 25 फीसदी छूट मिलेगी।

राडा के अध्यक्ष विवेक गर्ग ने बताया कि परिवहन विभाग ने सभी ऑटोमोबाइल डीलरों को नए टैक्स प्रावधानों की जानकारी देने वाला आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए 2022 में लागू की गई 5 साल की ईवी पॉलिसी के तहत है। बता दें रोड टैक्स में छूट केवल 24 अगस्त तक वाहन खरीदने वालों को दी जाएगी।

ईवी नीति के अनुसार, इस तिथि के बाद खरीदे गए वाहनों पर 2 साल तक 50 और उसके बाद 75 फीसदी रोड टैक्स देना होगा। नए आदेश के मुताबिक, ई-रिक्शा और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए निर्धारित अवधि के बाद मोटरयान कर की वसूली छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान अधिनियम 1991 के नियमों के तहत की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में रोड टैक्स की दरें :

- 1. दोपहिया वाहन की कुल कीमत का 8 फीसदी
- 2. कार की कुल कीमत का 10 फीसदी
- 3. तीन पहिया वाहनों पर डेढ़ से तीन फीसदी
- 4. मालवाहक वाहनों पर 5 से 6 फीसदी टैक्स देना होता है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री का बड़ा आरोप.....वायनाड भूस्खलन त्रासदी केरल सरकार की गलती

सरकार के संरक्षण में अवैध खनन चल रहा

नई दिल्ली ।

केरल के वायनाड भूस्खलन त्रासदी के बाद खोज और बचाव अभियान लगातार सातवें दिन जारी है। हादसे में मरने वालों की संख्या 387 हो गई है, और 180 लोग लापता हैं।इस बीच केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने पिनाराई विजयन सरकार पर अवैध खनन और अवैध संरक्षण को शह देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केरल सरकार को इकोसेंसिटिव जोन के लिए योजना बनानी चाहिए। केरल सरकार के संरक्षण में अवैध खनन चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह स्थानीय नेताओं द्वारा लोगों को रहने के लिए अवैध संरक्षण है। इतना ही नहीं पर्यटन के नाम पर भी वे उचित क्षेत्र नहीं बना रहे हैं। उन्होंने इस क्षेत्र पर अतिक्रमण की परमिशन दी है। यह एक अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा, हमने पहले ही पूर्व वन महानिदेशक संजय कुमार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है।

उन्होंने केरल सरकार के साथ पत्राचार भी किया है। लेकिन वायनाड हादसा केरल सरकार की गलती। उन्होंने कहा, विजयन सरकार को इकोसेंसिटिव जोन के लिए योजना बनानी चाहिए। केरल सरकार को पूर्व वन महानिदेशक कुमार की अध्यक्षता वाली समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।इकोसेंसिटिव जोन में अवैध आवास और खनन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अवैध आवास और खनन की वजह से हमें नुकसान उठाना पड़ा है।

वायनाड त्रासदी में अब भी 180 लोग लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

-डीएनए परीक्षण के लिए ले रहे सेम्पल

वायनाड।

वायनाड में लैंडस्लाइड के बाद बचाव टीमें लोगों को बचाने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। रेस्क्यू के सातवें दिन टीम को दो शव मिले हैं। इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब 380 से ज्यादा हो गई है। अभी भी 180 लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है, उनकी तलाश की जा रही है। वहीं इस त्रासदी के सात दिन बाद स्कूल खोले गए लेकिन अभी छात्रों की आमद कम है। जानकारी के मुताबिक रेस्क्यू टीम को दो शव मिले हैं। वहीं केरल सरकार ने भी शवों की पहचान करने के लिए कई कदम उठाए हैं। केरल सरकार ने लापता लोगों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण के लिए जीवित बचे लोगों और रिश्तेदारों के खून के सेम्पल लेना शुरू कर दिया है। वहीं नागरिक आपूर्ति विभाग भी लापता लोगों की पहचान के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड और लिंक किए गए फोन नंबरों का विवरण जुटाने में लग गया है। वायनाड जिले में 599 बच्चों और छह गर्भवती महिलाओं समेत दो हजार पांच सौ से ज्यादा लोगों ने राहत शिविरों में शरण ले रखी है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएमओ की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक वायनाड जिले के मेप्पडी और अन्य ग्राम पंचायतों में भूस्खलन प्रभावित लोगों के लिए 16 राहत शिविर बनाए गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक इन राहत शिविरों में 723 परिवारों के 2,514 लोगों ने शरण ली है, जिनमें 943 पुरुष, 972 महिलाएं और 599 बच्चे शामिल हैं। राहत शिविरों में छह गर्भवती महिलाएं भी रह रही हैं।

राहुल-प्रियंका के सामने कुलियों ने किया दर्द बयां, ग्रुप-डी का दर्जा दिलाने की रखी मांग

नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने दिल्ली में लोगों का बोझ उठाने वाले कुलियों से मुलाकात की जहां राहुल-प्रियंका के सामने कुलियों ने अपना दर्द बयां किया। कुली मोहम्मद करीम अक्रान ने कहा कि वह राहुल गांधी से कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से कुली यहां इकट्ठा हुए हैं। 2008 में जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे तब उन्होंने हमें ग्रुप डी का दर्जा दिया था, जिसके कारण हम अपना घर चला रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही बैटरी कारों से हमारे पास कोई काम नहीं बचा है और हम घर चलाने को मजबूर हैं। करीम ने बताया कि उसने राहुल गांधी से कहा कि 2008 की तरह कुलियों को ग्रुप-डी का दर्जा दिया जाना चाहिए। उसने कहा कि हम कुलियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी हमारा मुद्दा उठाएंगे। इससे पहले राहुल गांधी ने भारतीय रेलवे लोको पायलटों से मुलाकात की थी उन्होंने कर्मचारियों की कमी के कारण आराम नहीं मिलने की शिकायत की थी। राहुल गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह उनके मुद्दों को संसद में उठाएंगे। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पूरे भारत के 50 से ज्यादा लोको पायलटों से मुलाकात की पायलटों ने उन्हें अपनी समस्याएं से अवगत कराया। पायलटों ने कहा कि वह घर से दूर रहते हैं, लंबी दूरी तक ट्रेन चलाते हैं और अक्सर उन्हें बिना ब्रेक दिए ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। इससे वह काफी तनाव में रहते हैं और एकाग्रता की भी कमी रहती है, जो दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण भी बन सकता है। लोको पायलट 46 घंटे के साप्ताहिक आराम की मांग कर रहे हैं। हालांकि, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 'लोको पायलट' रेलवे परिवार के अहम सदस्य हैं लेकिन विपक्ष उनका मनोबल गिराने के लिए दुष्प्रचार कर रहा है। उन्होंने एक्स पर लोको पायलटों की कार्यदशा सुधारने के लिए रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोको पायलट की ड्यूटी के घंटे पर सावधानीपूर्वक नजर रखी जाती है। गाड़ी के फेरों के बाद ध्यानपूर्वक उन्हें आराम दिया जाता है।

पीडीपी नेता महबूबा का दावाः धारा 370 के रद्द करने के पांच साल पूरे होने पर किया नजरबंद

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द के पांच साल पूरे होने पर उन्हें घर में नजरबंद करने का दावा किया है। उन्होंने दावा किया कि इस अवसर पर कड़ी सुरक्षा के बीच उनके पार्टी कार्यालय को बंद कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक अल्ताफ बुखारी की अध्यक्षता वाली अपनी पार्टी का कार्यालय भी एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने दावा किया कि उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया गया है।

सादिक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-मुझे घर पर ही हिरासत में रखा गया है, जो पूरी तरह से गैरजरुरी है। मुझे किसी काम से बाहर जाना था, लेकिन मेरे गेट के बाहर पुलिसकर्मियों ने मुझे बाहर जाने से रोक दिया। यह अनुचित और अवैध है। उन्होंने शहर के हसनाबाद इलाके में अपने आवास के गेट के बाहर पुलिसकर्मियों के तैनाती की एक तस्वीर भी पोस्ट की है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को बीजेपी सरकार ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ विश्वासघात किया। संविधान की अनदेखी करके बीजेपी ने जम्मू-कश्मीर के साथ संवैधानिक, नैतिक, नैतिक और कानूनी संबंधों को कमजोर किया। केंद्र ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम भी लाया, जिसने तत्कालीन राज्य को लद्दाख और जम्मू और कश्मीर के दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने कहा कि 5 अगस्त कश्मीरी लोगों के पूर्ण रूप से अशक्तीकरण की याद दिलाता रहेगा। लोन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-पांच साल बाद भी कोई निर्वाचित विधानसभा नहीं है और स्थानीय लोगों को अपने मामलों को चलाने का कोई अधिकार नहीं है और दुख की बात है कि देश में इतनी शक्तिशाली आवाजें नहीं हैं जो यह सवाल उठा सकें कि जम्मू और कश्मीर को इस तरह के अपमानजनक अस्तित्व के लिए क्यों चुना गया है।

संक्षिप्त समाचार

खराब की जगह सहीं किडनी निकाली....ढाई माह बाद महिला की मौत परिजनों ने शव लेने से किया इंकार

जयपुर । राजस्थान के झुंझुनू में बीते दिनों हुए किडनी कांड की शिकार महिला की मौत हो गई। मृतक महिला करीब ढाई महीने से हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती थी। महिला की बीते दिनों अस्पताल में खराब किडनी की जगह सहीं किडनी निकाल दी। इस कारण महिला की तबीयत खराब हो गई। मामले को लेकर काफी बवाल हुआ और महिला ढाई महीने से हॉस्पिटल में भर्ती थी। हांलाकि आरोपी डॉक्टर अभी जेल में है। हैरान कर देने वाला यह मामला झुंझुनू का है, जहां मृतक महिला नुआं निवासी ईद बानो धनखड़ अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हुई, जहां डॉ. संजय धनखड़ ने महिला को बताया कि उसकी एक किडनी खराब है। इस लेकर 15 मई को महिला का ऑपरेशन हुआ। इस दौरान डॉ. धनखड़ की लापरवाही से महिला की संक्रमित किडनी की जगह उसकी सही किडनी निकाल दी गई। जिससे महिला की तबीयत खराब हो गई। इस मामले का पता लगने पर परिजनों ने जमकर बवाल किया। इधर, ग्रामीणों और परिजनों ने पांच मांगे रखी है। इसमें मृतक महिला के परिवार को एक करोड़ का मुआवजा, सरकारी नौकरी देने, डॉक्टर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने और डॉक्टर की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने सहित पांच मांगे रखी गई है। लोगों का कहना है कि जब तक यह पांच मांगें नहीं मानी जाती, तब तक शव नहीं लिया जाएगा। वहीं आरोपी डॉ. धनखड़ परिवार के लोगों को पैसों का लालच देने लगा। मामले में पुलिस ने आरोपी डॉ. धनखड़ को गिरफ्तार कर लिया, जो अभी भी जेल में बंद है।

1.22 करोड़ की कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद, पिता-पुत्र गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस ने कोडीन युक्त प्रतिबंधित खांसी की दवा की 72 हजार बोतलें बरामद की हैं जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। पुलिस ने बाप-बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद ने बताया कि हाल ही में सागर से 800 डिब्बों में भरी कोडीन युक्त कफ सिरप की बोतलें बरामद की गईं हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि कोडीन युक्त कफ सिरप रीवा में बेचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने जांच शुरू की तो पता चला कि इसका स्रोत सागर है। सागर निवासी अरविंद जैन के गोदाम से 1.22 करोड़ रुपए कीमत की कफ सिरप की बोतलें बरामद की गईं हैं। उन्होंने बताया कि अरविंद जैन और उसके बेटे सत्तू जैन को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अब यूपी के सहारनपुर में पटरी से उतरे लोकल ट्रेन के तीन डिब्बे

सहारनपुर। ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है आए दिन कभी यात्री तो कभी मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतर रहे हैं। वहीं अब यूपी से खबर आई है कि सहारनपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर एक लोकल ट्रेन के तीन डिब बे पटरी से उतर गए। मीडिया रिपोर्ट में अंबाला मंडल के मंडल प्रबंधक ने बताया कि एक लोकल ट्रेन जो सफाई के लिए जा रही थी यह मेमू ट्रेन खाली थी और घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। डीआरएम ने बताया कि यह घटना वाशिंग लाइन पर दोपहर करीब तीन बजे हुई। इस वजह से मुख्य मार्ग पर ट्रेन यातायात प्रभावित नहीं हुआ। डिब्बों के पटरी से उतरने के कारणों की जांच कर रहे हैं और ट्रैक को ठीक किया जा रहा है।

कावड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंदा...... पांच कांवड़िया हुए घायल

आगरा । आगरा के ताजगंज के बरौली अहीर क्षेत्र में इनर रिंग रोड पर कासगंज सोरों घाट से कांवड़ लेकर आ रहे कावड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। हादसे ने पांच कांवड़िया घायल हो गए। अन्य साथियों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां दो की हालत गंभीर बनी हुई है। कांवड़ खंडित होने पर गुस्साए कांवड़ियों ने कार में जमकर तोड़फोड़ की। हमले में कार सवार दो युवक भी घायल हुए हैं। रविवार की रात्रि कांवड़िया आगरा पहुंचे थे। कांवड़ लेकर लौटते समय इनर रिंग रोड पर कांवड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इस हादसे में पांच कांवड़िया घायल हो गए। विवाद की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल कार सवारों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल में रेफर किया गया है।

राज्यपाल बोस ने किया साफ, बंगाल में तीन ममता हैं एक से मेरे अच्छे संबंध

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने एक व्यक्ति के रूप में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया और उनके साथ व्यावसायिक संबंध बनाए रखा, लेकिन स्पष्ट किया कि राजनीतिज्ञ ममता बनर्जी मेरे बस की बात नहीं हैं। राज्यपाल सीवी आनंद बोस, जो ममता के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से भिड़ चुके हैं, उन्होंने अपने जटिल संबंधों पर चर्चा की और यौन उत्पीड़न के आरोपों और राज्य के वित्त से संबंधित मुद्दों को लेकर संबोधित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब राज्यपाल बोस से ममता बनर्जी के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने उनकी भूमिकाओं में अंतर करते हुए कहा कि कौन सी ममता बनर्जी? मेरे सामने तीन ममता बनर्जी हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि एक व्यक्ति हैं ममता बनर्जी। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। दूसरी हैं सीएम ममता बनर्जी। उनके साथ मेरे पेशेवर संबंध हैं। तीसरी हैं राजनेता ममता बनर्जी, यह मेरे बस की बात नहीं है। राज्यपाल बोस ने बताया कि चुनाव के दौरान उन्होंने मुद्दों को उलझा दिया। सीएम ममता ने राजनेता के साथ विलय कर दिया, कुछ बयान दिए। मैं भी एक व्यक्ति बन गया, गवर्नर नहीं। मैंने उस पर हर्जाने, मानहानि का मुकदमा किया। यही रिश्ते की जटिलता है। उन्होंने आगे कहा कि अन्यथा, ममता मेरी दोस्त हैं। मुख्यमंत्री मेरी सहयोगी हैं और मैं कोई राजनेता नहीं हूं। उन्होंने कहा कि राजनेता अपने-अपने तरीके से कुछ भूमिकाएं निभाते हैं। मैं इसे अपने आत्मसम्मान के साथ हस्तक्षेप नहीं करने दूंगा। रिश्ता यहीं कायम है। राज्यपा बोस को यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना करना पड़ा, लेकिन राजभवन पैनल ने जांच के बाद आरोपों को खारिज कर दिया। बोस ने ममता और कुछ टीएमसी नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया, जिसके कारण कलकत्ता हाईकोर्ट ने उन्हें 14 अगस्त तक उनके खिलाफ कोई भी अपमानजनक या गलत बयान देने से रोक दिया है। लंबित विधेयकों के मुद्दे पर बोस ने बंगाल सरकार के दावे का खंडन किया कि उन्होंने आठ विधेयकों पर सहमति रोक रखी है। उन्होंने साफ किया ऐसा मामला है कि आठ विधेयक राज्यपाल के पास लंबित हैं। छह विधेयक राष्ट्रपति के लिए आरक्षित किए हैं। एक विधेयक को कुछ स्पष्टीकरणों पर सरकार के कार्यालयों के साथ चर्चा के लिए रखा गया है।

सागर हादसे के बाद एक्शन में मोहन सरकार..........कलेक्टर और एसपी को हटाया

अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई

भोपाल,। मध्य प्रदेश के सागर जिले में दीवार गिरने के बाद नौ बच्चों की मौत हुई है। हरदौल मंदिर में पार्थिव शिवलिंग बनाने के दौरान यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद मोहन सरकार ने कार्रवाई कर कलेक्टर और एसपी को हटा दिया है। छतरपुर कलेक्टर को सागर का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। इसके साथ ही रायसेन एसपी को सागर का नया एसपी बनाया गया है। साथ ही अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। सागर की घटना के पीछे अधिकारियों की लापरवाही मानी गई है। सीएम के निर्देश के बावजूद सतर्कता नहीं दिखाई गई। घटना सामने आने के बाद शाहपुर नगर परिषद के सीएम और उपयंत्री को सस्पेंड किया गया है। इसके साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर के प्रभारी डॉ हरिओम बंसल को भी निलंबित किया गया है। संयुक्त कलेक्टर संदीप सिंह को भी सरकार ने पद से हटा दिया है। इसके बाद देर रात कलेक्टर दीपक आर्य और एसपी अभिषेक तिवारी को हटा दिया गया है। कलेक्टर और एसपी को हटाने के बाद सागर में नए अधिकारियों की पदस्थापना हो गई है। 2013 बैच के आईएएस अधिकारी संदीप जी आर सागर के नए कलेक्टर हैं। अभी वह छतरपुर कलेक्टर थे। वहीं, छिंदवाड़ा जिला पंचायत के सीईओ पार्थ जैसवाल छतरपुर के नए कलेक्टर बने हैं। दीपक आर्य को मंत्रालय में उप सचिव बना गया है।वहीं, 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी विकास कुमार सहवाल को सागर का एसपी नियुक्त किया है। वे अभी रायसेन में पदस्थ थे। साथ ही सागर एसपी तिवारी की तैनाती पुलिस मुख्यालय में हुई है।

5 अगस्त का दिन... पाकिस्तानी हुक्मरानों के पेट में हुआ दर्द

इस्लामाबाद । भारत ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाया था। भारत की सुप्रीम कोर्ट ने भी कदम को संवैधानिक माना है। लेकिन हर साल 5 अगस्त को पाकिस्तान के पेट में दर्द होने लगता है। पाकिस्तान की टॉप लीडरशिप ने सोमवार को यौम-ए-इस्तेहसाल-ए-कश्मीर के रूप में मनाया। हिंदी में इसका अर्थ शोषण के दिन से जुड़ा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत के खिलाफ एक्शन लेने की अपील की। उन्होंन कहा कि यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने का आग्रह करे। राष्ट्रपति जरदारी ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा, 5 अगस्त जम्म-कश्मीर पर अपने अवैध कब्जे को मजबूत करने के भारत के नवीनतम अभियान के पांच साल पूरा होने का प्रतीक है। उन्होंने दावा किया कि 5 अगस्त 2019 से भारत ने जम्मू-कश्मीर की जनसांख्यिकीय संरचना और राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के लिए एक निरंतर अभियान चलाया है। पाकिस्तानी पीएम ने कहा पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को आत्मनिर्णय के उनके अधिकार की प्राप्ति तक अपना मजबूत, नैतिक, राजनीतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त हमें भारत के गंभीर कामों को याद दिलाता है। हालांकि ऐतिहासिक तथ्य, इंटरनेशनल कानून, नैतिक सिद्धांत और जमीनी हालात भारत के निराधार दावों को नकारते हैं।

किम जोंग ने दिखाई ताकत, परमाणु लैस 250 मिसाइल लॉन्चर सेना को सौंपे

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों में परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर शामिल किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया है। किम ने प्योंगयांग में एक कार्यक्रम में कहा कि नए मिसाइल लॉन्चर उसकी अग्रिम मोर्चे की इकाइयों को दक्षिण कोरिया के खिलाफ जबरदस्त प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेंगे और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परमाणु हथियारों के संचालन को ज्यादा व्यावहारिक एवं कुशल बनाएंगे। सरकारी मीडिया में आई तस्वीरों में सड़क पर सेना के लॉन्चर ट्रक की कतारें नजर आ रही हैं। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और इसमें भव्य आतिशबाजी भी की। विशेषज्ञों का कहना है कि किम की बढ़ती धमकियों और हथियार परीक्षण के जरिये शक्ति प्रदर्शन को व्यापक रूप से अमेरिका पर उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्वीकार करने और उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने का दबाव डालने के प्रयास के तौर पर देखा जाता है। उत्तर कोरिया ऐसे वक्त में तनाव बढ़ाने की कोशिश भी कर सकता है, जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं।

नेपाल जलमार्ग और रेलवे का करेगा विस्तार, पीएम ओली ने जताई संभावना

काठमांडु। नेपाल के पीएम केपी ओली ने देश के जलमार्ग और रेलवे के विकास और भारत के साथ संपर्क बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया है। वार्षिक प्रगति समीक्षा बैठक में ओली ने सिविल सेवकों को भारत की सीमा के पास हनुमान नगर से त्रिवेणी और देवघाट तक स्टीमर सेवाओं को चलाने के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में 1970 से स्टीमर सेवाओं की अनुमति देने वाला कानून होने के बावजूद बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल नहीं किया गया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। ओली ने कहा कि हनुमान नगर में एक बंदरगाह, एक सीमा शुल्क कार्यालय और वीजा केंद्र बनाया जाना चाहिए। जलमार्गों के अतिरिक्त ओली ने नेपाल की रेल सेवाओं के विस्तार की जरुरतों पर बल दिया और मौजूदा जनकपुर-कुर्था रेलवे लाइन में दो रेलवे लाइनें जोड़ने का आह्वान किया।

ईरान ने दी इजराइल को धमकी, अमेरिका करेगा दोस्त की सुरक्षा

- पश्चिम एशिया में तैनात किए फाइटर जेट स्क्वाड्रन, क्रूजर, डिस्ट्रॉयर

वॉशिंगटन। हमास चीफ इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या के बाद ईरान ने इजरायल पर हमले की धमकी दी है। ईरान और उसके सहयोगी हिजबुल्लाह और हूती जैसे सशस्त्र मिलिशिया ग्रुपों से इजरायल को होने वाले खतरों के चलते अमेरिका पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। पेंटागन ने इजरायल पर ईरान के जवाबी हमलों के खिलाफ एहतियात के तौर पर क्षेत्र में एक विमान वाहक पोत, एक फाइटर जेट स्क्वाड्रन, क्रूजर, डिस्ट्रॉयर समेत कई युद्धपोतों की तैनाती कर दी है। गाजा युद्ध शुरु होने के बाद से अमेरिका की यह सबसे बड़ी सैन्य लामबंदी है। पेंटागन ने शुरू में क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों की निगरानी और उनके हमलों का जवाब देने के लिए दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप तैनात किए थे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशन कोऑर्डिनेटर ने तैयारियों पर कहा कि हम सिर्फ यह मानकर नहीं चल सकते कि हम भी संभावित रूप से उस तरह के हमले का शिकार हो सकते हैं, इसलिए हमने क्षेत्र में सही संसाधनों की तैनाती की है और जरूरी क्षमताएं हासिल की हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और फाइटर स्क्वाड्रन के अलावा, अमेरिका ने मध्य पूर्व और भूमध्य सागर में बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम से लैस डिस्ट्रॉयर और क्रूजर भेजे हैं। इसमें शामिल युद्धपोतों के बारे में खुलासा नहीं किया गया है।

अमेरिका में पति-पत्नी को मिलेगा एच 1 वीजा

वाशिंगटन । अमेरिका की अपीलीय अदालत द्वारा हाल ही में जो फैसला दिया है। उसके अनुसार अमेरिका में जीवन साथी को भी एच 1 वीजा की पात्रता होगी। अमेरिका की सरकार के आदेश के खिलाफ सेव जॉब्स यूएसए नामक संस्था द्वारा सरकार के आदेश को कोर्ट में चुनौती दी गई थी। याचिका मे कहा गया था,अमेरिका में तकनीकी कर्मचारियों का एक बड़ा समूह है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट एवं अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों में विदेशी योग्यता के आधार पर काम करते हैं। उन्हें तकनीकी ज्ञान के आधार पर काम मिला हुआ है। अमेरिका की सरकार ने एच 1 वीजा देने के जो नियम बनाए हैं। उसके कारण उनको यहां पर काम करना मुश्किल हो रहा है। वह अपने जीवनसाथी को अपने साथ नहीं रख पा रहे हैं। अमेरिका की अपीलीय अदालत के फैसले से अमेरिका में अब जीवन साथी को भी एच 1 श्रेणी का वीजा मिलेगा। लाखों भारतीयों को इसका लाभ होगा।

इटली में माउंट इटेना ज्वालामुखी से उठाता हुआ लावा।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने आतंक के खतरे का स्तर बढ़ाया, संभवत : को किया संभावित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आतंकवाद के खतरे की चेतावनी के स्तर को संभवत से बढ़ाकर संभावित कर दिया। इसके लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने युवाओं में बढ़ती कट्टरता और इजराइल-हमास संघर्ष के चलते सामुदायिक तनाव के बारे में चिंताओं का हवाला दिया है। ऐसा पहली बार है जब नवंबर 2022 के बाद से खतरे के स्तर को पांच-स्तरीय नेशनल टेररिजम थ्रेट एडवाइजरी सिस्टम के बीच बढ़ा दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथोनी अल्बानीज ने कहा कि अधिकारियों का मानना ??है कि मौजूदा हालात में आतंकवाद एक बड़ा खतरा है, लेकिन उन्हें किसी विशेष खतरे के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं आस्ट्रेलिया के लोगों को कहना चाहता हूं कि संभावित का मतलब यह नहीं है कुछ होने वाला है और इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी धमकी या खतरे के बारे में खुफिया जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की जासूसी एजेंसी 'ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन' की सलाह पर काम कर रही है। पीएम एंथोनी ने कहा कि हमें जानकारी मिल रही है कि आस्ट्रेलिया के लोग कई प्रकार की चरमपंथी विचारधाराओं को अपना रहे हैं और सतर्क रहना हमारी जिम्मेदारी है।

ढाका में हिंसा के चलते पीएम शेख हसीना ने ढाका छोड़ा

सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से रवाना हुईं भारत, सेना संभालेगी देश की कमान?

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर चल रही हिंसा की आग अब चारों ओर देखने को मिल रही है। ऐसे में खबर यह है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका छोड़ दिया है और सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत रवाना हो चुकी हैं। अपुष्ट सूत्रों की मानें तो उन्होंने अपने पद से भी इस्तीफा दे दिया है। अब देश की कमान सेना संभाल सकती है।

जानकारी अनुसार ढाका स्थित प्रधानमंत्री आवास में अनेक प्रदर्शनकारी दाखिल हो गए। इससे पहले राजधानी ढाका समेत देश में सेना तैनाती की घोषणा कर दी गई। वहीं सूत्रों ने जानकारी दी है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ढाका पैलेस छोड़ चुकी हैं और सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत के लिए रवाना हो गई हैं। बांग्लादेश की सड़कों से पुलिस हटा दी गई है और सेना ने कमान संभाल लिया है। इस बीच सत्तारूढ़ अवामी लीग और मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व ने सेना हेडक्वार्टर में बैठक कर देश के हालात पर चर्चा की है। यदि बांग्लादेश की स्थिति ठीक नहीं होती तो बहुत जल्द सेना चीफ जनरल वकार-उज-जमान देश को संबोधित करते हुए कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं।

यहां कर्फ्यू को धत्ता बताते हुए हजारों प्रदर्शनकारी लॉन्ग मार्च के लिए ढाका के शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा हुए हैं। यहां बतलाते चलें कि कल रविवार को हुई हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 19 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। आरक्षण मामले को लेकर छात्र नेताओं ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से इस्तीफे की मांग करते हुए सविनय अवज्ञा आंदोलन की घोषणा कर रखी है। एंटी डिस्क्रिमिनेशन स्टूडेंट मूवमेंट ने सोमवार को एक दिन के लॉन्ग मार्च का आह्वान किया, जिसे देखते हुए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी और बख्तरबंद गाड़ियों को सड़कों पर गश्ती के लिए उतारा गया है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि छात्र प्रोटेस्ट के समन्वयक आसिफ महमूद ने अपने एक बयान में कहा है, कि इस सरकार ने कई छात्रों का कत्ल कर दिया है। ऐसे में अब समय आ गया है कि सरकार अपने कर्मों का हिसाब दे।

गौरतलब है कि बांग्लादेश आरक्षण रुपी हिंसा की आग से झुलस चुका है। बांग्लादेश में भड़की हिंसा में अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच बांग्लादेश में तख्तापलट की आहट सुनाई दी, जिसके बाद खबर आई है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और सुरक्षित स्थान के लिए सेना के विशेष हेलिकॉप्टर से भारत के लिए रवाना हो चुकी हैं।

क्या... ईरान पर पहले ही बड़ा हमला कर देगा इजराइल

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल को लगा कि ईरान की ओर से अटैक होना तय है, तब वहां तेहरान की कार्रवाई का इंतजार किए बिना बड़ा हमला कर सकता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के सुरक्षा प्रमुखों के साथ बैठक की है। बैठक के बाद स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि अगर ईरान को इसके पुख्ता सबूत मिल जाते हैं कि तेहरान हमला करने की तैयारी कर रहा है, फिर इजरायली सेना ईरान को रोकने के लिए एक पहले ही हमला करने पर विचार करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि ईरान और हिजबुल्लाह आने वाले दिनों में इजरायल पर हमला कर सकता है। इसकी वजह बीते दिनों बेरूत में हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर और तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या होना है। इसके बाद इजरायल विचार कर रहा है कि वह किस तरह से संभावित हमले का सबसे जवाब दे सकता है या हमले को रोक सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के साथ बैठक के दौरान इस पर चर्चा की गई ईरान की ओर से हमला तय पाया जाए, तब पहले ही इजरायल को अटैक कर देना चाहिए। हालांकि सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि यह कदम तभी उठाया जाएगा जब इजरायल को इसकी पुष्टि करने वाली खुफिया जानकारी मिले कि तेहरान हमला करने वाला है।

इजराइल की तरह ही अमेरिका को भी साफ नहीं है कि ईरान की ओर से किया जाने वाला हमला कैसा हो सकता है। माना जा रहा है कि ईरान ने अभी तक अपनी कार्रवाई को लेकर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। ईरान का हिजबुल्लाह और हमास से भी ठीक से समन्वय ना हो पाने की बात कही जा रही है।

अमेरिका और इजराइल करे सही... भारत करे तो गलत

-पन्नू मामले में दुनिया का दोमुंहा रवैया

तेहरान (एजेंसी)। इस साल मई से अब तक तीन महीने में, इजरायल के दुश्मन कहे जाने वाले पांच लोग मारे गए हैं। 24 मई को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके विदेश मंत्री हुसैन की एक संदिग्ध हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हुई। 1 जुलाई को गाजा में हमास के सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ को मार डाला। इसके दो हफ्ते बाद हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुकर को बेरुत में एक हवाई हमले में निपट दिया। पांचवीं हत्या 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानियेह की तेहरान में हुई। वहीं हानिया की मौत पर चुप्पी के बावजूद ये साफ है कि इजरायल के इशारे पर ये हत्या हुई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजरायल के घनिष्ठ सहयोग के चलते विदेशी धरती पर गैर-नागरिकों की हत्या से संबंधित कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन होने के बावजूद इनकी बहुत कम चर्चा हुई हैं। वहीं अमेरिकी मीडिया को इन हत्याओ में कोई खराबी नहीं दिख रही है। जबकि कथित तौर पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या के प्रयास को प्रमुखता से उठाया था। इस मामले में एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता न्यूयॉर्क की जेल में है। वहीं कनाडा में खालिस्तानी निज्जर की हत्या पर भी भारत को आलोचना का शिकार होना पड़ा है। पाकिस्तान, कनाडा और दूसरे दूसरे देशों में भारत विरोधियों के मारे जाने से यह साबित हुआ है कि ये देश उन लोगों को शरण दे रहे हैं जो आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं और कई अनुरोधों के बावजूद इन अपराधियों को पकड़ने में विफल रहे हैं। इस तरह का तर्क इजराइल और अमेरिका भी विदेशी धरती पर कार्रवाई को जायज ठहराने के लिए देते हैं और कहते हैं कि मेजबान देश उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा था।

तुर्की और कतर छोड़ ईरान में हमास प्रमुख की हत्या के पीछे सोची समझी रणनीति

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास सरगना इस्माइल हानिया की हत्या के लिए ईरान की राजधानी तेहरान का चयन एक फुलप्रूफ प्लानिंग का हिस्सा है। इजरायल ने इस घटना को काफी सोच-समझ कर अंजाम दिया है। इजरायल और ईरान की पुरानी दुश्मनी है। ईरान को हमास का कट्टर समर्थक माना जाता है। दूसरी ओर, ईरान की सैन्य ताकत उतनी ज्यादा नहीं है, जिससे इजरायल को अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस हो। अप्रैल में ईरान के हमले ने उसकी सैन्य ताकत की पोल खोलकर रख दी थी, जिसमें से 99 फीसदी हथियार अपना लक्ष्य चूक गए। ऐसे में हमास सरगना को तेहरान में मारकर इजरायल ने एक साथ हमास और ईरान दोनों को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। इजरायल के कतर में हमास सरगना की हत्या न करने के कई कारण थे। इनमें

से पहला कारण कतर खाड़ी देश में अमेरिका का सहयोगी है। इतना ही नहीं, इजरायल कतर की ही मदद से हमास के साथ शांति वार्ता कर रहा था, जिसका उद्देश्य इजरायली बंधकों की सुरक्षित वापसी थी। अगर इजरायल कतर में हमास सरगना को निशाना बनाता तो इससे मध्य पूर्व के बाकी देश खुलकर इजरायल के विरोध में खड़े होते और सैन्य विकल्प भी तलाशते। इजरायल के इस फैसले का अमेरिका भी समर्थन नहीं करता और खुद को अलग कर लेता। ऐसे में इजरायल को भारी नुकसान उठाना पड़ता और अब्राहम संधि के कारण मित्र बने मध्य पूर्व के देशों से भी इजरायल को हाथ धोना पड़ता। इजरायल ने तुर्की में हमास चीफ को इसलिए नहीं मारा, क्योंकि यह देश नाटो सदस्य है। नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता। वर्तमान में रूस से नजदीकी के कारण तुर्की पहले से ही अमेरिका की नजरों पर चढ़ा है। ऐसे में तुर्की में हमास चीफ की हत्या को राष्ट्रपति एर्दोगन युद्ध की चुनौती मानते और हो सकता था कि इस्लामी देशों का खलीफा बनने के चक्कर में छोटे पैमाने पर हमला भी कर देते। तुर्की सैन्य रूप से काफी शक्तिशाली है और उसके साथ युद्ध में इजरायल को नुकसान उठाना पड़ता। दूसरा, तुर्की के नाटो सदस्य होने के कारण अमेरिका खुलकर इजरायल की मदद नहीं कर पाता। पश्चिमी देश भी इजरायल से दूरी बना लेते। ऐसे में इजरायल ने तुर्की में हमास चीफ को निशाना न बनाना ही उचित समझा।

हाई इनकम वाला देश बनने के लिए भारत को लगेंगे 75 साल

-भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर तो अमेरिका की 37,000 डॉलर है

लंदन (एजेंसी)। भारत, दुनिया में सबसे तेजी बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना हुआ है। वहीं मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने का टारगेट टॉप पर रखा है और इसके लिए 2047 तक की डेडलाइन तय की है। वहीं वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस लक्ष्य को पाने की चुनौतियों के बारे में बताया गया कि भारत इसे कब तक पा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों को हाई इनकम वाला देश बनने के लिए अभी लंबा समय चाहिए। रिपोर्ट में भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के महज एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय 2200 डॉलर के आस-पास है, जबकि अमेरिका में ये करीब 37,000 डॉलर है।

अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के एक चौथाई हिस्से तक पहुंचने में भारत को 75 साल लग सकते हैं तो वहीं वर्ल्ड बैंक के मुताबिक इंडोनेशिया को ये टारगेट हासिल करने में सात दशक लगेंगे। चीन की बात करें तो चीन भारत और इंडोनेशिया से बहुत पहले इसे हासिल करने में कामयाब हो जाएगा। विश्व बैंक का कहना है कि चीन इस टारगेट को महल दस साल में ही हासिल कर सकता है। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में साल 2023 के अंत में दुनिया के 108 देशों को मिडिल इनकम ग्रुप के रूप में वर्गीकृत किया है। इनकी प्रति व्यक्ति सालाना जीडीपी 1,136 यूएस डॉटर से लेकर 13,845 डॉलर के बीच थी। इन देशों में छ्ह अरब लोग रहते हैं, जो वैश्विक आबादी का 75 फीसदी है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक दुनिया में हर तीन में से दो लोग अति गरीबी में जीवन बिताते हैं।

रिपोर्ट में बीते 50 सालों के अनुभव के आधार पर पाया कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर सालाना यूएस की प्रति व्यक्ति जीडीपी के करीब दस फीसदी के जाल में फंस जाते हैं। ये दस फीसदी की रकम फिलहाल करीब आठ हजार डॉलर के बराबर हो जाती है। भारत की चुनौतियों के बारे में कहा गया है कि तेजी से बूढ़ी होती आबादी, बढ़ता कर्ज, भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के अलावा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक रूप से आगे बढ़ने में पेश आ रही कठिनाई इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा बनी हुई हैं।

रिपोर्ट में विश्व बैंक ने इस जाल से निकलने के लिए उपाय बताए हैं इसमें कहा गया है कि कई मिडिल इनकम ग्रुप वाले देश अभी भी पिछली सदी की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं और प्रमुख रूप से निवेश को बढ़ाने पर जोर देने की नीतियों पर निर्भर हैं। जो कि बिल्कुल कार को पहले गियर में चलाने और उसे तेज चलाने की कोशिश करने जैसा ही है। विश्व बैंक ने कहा है कि इन देशों को मिडिल इनकम ट्रैप से निकलने के लिए थ्री-आई

पर फोकस करना चाहिए। ये थ्री-आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं।

संपादकीय

मौसम से सावधान

कश्मीर से कन्याकुमारी तक मौसम की मार साफ तौर पर प्रकट होने लगी है। मौसम जनित त्रासदियों का भी दुखद दौर तेज चल रहा है और देश पूरी मजबूती से प्रतिकूल स्थितियों का सामना कर रहा है। जगह-जगह जलभराव है और गंदगी का भी साम्राज्य है, तो सबसे बड़ी चिंता बढ़ती बीमारियों की है। जहां बारिश ज्यादा हुई है, वहां भी और जहां बारिश कम हुई है, वहां भी नाना प्रकार की बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। राज्य सरकारें भी चिंतित हैं और केंद्र सरकार भी। सरकार ने भी यह मान लिया है कि इस वर्ष भारत में डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश भर में अब तक 32,091 डेंगू मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अधिक हैं। वैसे तो डेंगू के मामले आम तौर पर अक्तूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई, 2024 तक मामलों की संख्या पिछले साल के इसी समय की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। चिंता यह हो रही है कि क्या आने वाले दिनों में डेंगू के मामले बहुत बढ़ जाएंगे? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि इस साल जून में ही डेंगू का प्रकोप बढ़ गया था। डेंगू के कारण देश भर में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा 22 मौतें केरल में हुई हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी मौतें हुई हैं। देश में डेंगू के प्रकोप की स्थिति की नियमित समीक्षा और निगरानी शुरू हो गई है। यह जरूरी है कि स्थिति का आकलन, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन पर ध्यान दिया जाए और राज्यों को सचेत किया जाए। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। दूसरी तरह के वायरल बुखार का भी प्रकोप बढ़ा है। अस्पतालों को अपने स्तर पर चाक-चौबंद रहने के साथ ही आम लोगों को भी सचेत रहना होगा। आसपास सफाई रखना और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। यह बड़ा सवाल है कि बीमारियां क्यों बढ़ रही हैं? वैसे, जलवायु परिवर्तन ने भी दुनिया में बीमारियों को बढ़ावा दिया है। अगर हम केवल डेंगू की ही बात करें, तो दुनिया के अनेक देशों में यह फैल रहा है और उन देशों में कीटों-मच्छरों से लड़ाई भी तेज हो रही है। रोचक है कि एक स्पेनिश प्रयोगशाला डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए हजारों टाइगर मच्छरों का प्रजनन और बंध्याकरण कर रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से कई प्रकार के आक्रामक कीटों को यूरोप में बढ़ावा मिला है। शायद भारत को भी ऐसी बीमारियों के खिलाफ बड़ी योजना बनाकर काम करना चाहिए। बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका वायरस को लेकर भी है। संसद में भी यह बताया गया है कि सरकार ने जीका वायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक कार्य योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका वायरस से ग्रस्त मरीजों की संख्या 537 तक पहुंच गई थी। यह वायरस क्यों बड़ी चिंता की वजह बन रहा है? क्या इसके खिलाफ लड़ाई में हम कमजोर पड़ रहे हैं? जीका वायरस का प्रकोप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इसे बाकी राज्यों में फैलने से रोकने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उठाए और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

न्याय से आशा एवं अहसास जगाते चन्द्रचूड़

(लेखक- ललित गर्ग)

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' लेकिन प्रधान न्यायाधीश के अनुसार लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? दुर्भाग्य से यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने त्रस्त करने वाली न्याय प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा कि यह स्थिति हम न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यदि इस समस्या का निदान नहीं होता तो फिर एक कटु सच्चाई बताने का क्या लाभ? जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया है तो न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए।

निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं वहीं अपनी बेबाक एवं सुधारमूलक टिप्पणियों से आम जनता की सराहना के पात्र बनते रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकारा है कि कानून की इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे-बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है, लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। इनमें से अनेक मामले ऐसे हैं, जो दशकों से लंबित हैं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दशकों पुराने कई मामले लंबित हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है।

न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश-निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल-सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी।

इसके अलावा यह भी आवश्यक है कि सरकारें मुकदमेबाजी से बाज आएं, क्योंकि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो वे खुद हैं। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। जनता समस्याओं का उल्लेख नहीं, बल्कि उनका समाधान चाहती है।

इससे इनकार नहीं कि अपने देश में आबादी के अनुपात में न्यायालयों और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या नहीं है और यह संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजे वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

नवनिर्माण का जरिया बने सामाजिक न्याय

जाति की राजनीति/ उमेश चतुर्वेदी

भारतीय समाज और राजनीति के लिए जाति एक ऐसा तत्व है, जिस पर सबसे ज्यादा विमर्श और वितंडा- दोनों होते रहे हैं। जाति को लेकर इन दिनों राजनीतिक परिधि में जो कुछ भी हो रहा है, उसे विमर्श तो कतई नहीं कहा जा सकता, बल्कि वह वितंडा है। मोदी की अगुआई वाले एनडीए को हर मुमकिन मोर्चे पर चुनौती देने की कोशिश में जुटा विपक्षी खेमा जहां जाति जनगणना की रट पर लगातार कायम है, वहीं केंद्र सरकार लगातार इसे सामाजिक स्वास्थ्य के लिए आसन्न खतरा मानते हुए इसे टालती रही है। इसी बीच संसद में भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति पूछ ली। इसके बाद न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि अखिलेश यादव का पूरा सियासी कुनबा इस सवाल पर क्षुब्ध है।

जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि अगर विकास और आधुनिकता आएगी तो जाति व्यवस्था अपने आप टूट जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। जबकि अंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। जबकि लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम इससे आगे निकल गए। उनकी मान्यता रही कि पिछड़े और दलितों को सत्ता मिल जाए तो जाति टूट जाएगी। मोटे तौर पर चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो जाति सामाजिक रूप से टूटती तो नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति अंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी की सोच बढ़ने लगी। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को और बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी।

भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त डॉ. अंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। आरक्षण का लक्ष्य अब हर जातीय समूह का जीवन-मरण का उद्देश्य बन गया है। जाति जनगणना की मांग जातीय समूहों को राजनीतिक समूहों द्वारा संतुष्ट करने की कोशिश है कि वह उसके इस जीवन-मरण के लक्ष्य के साथ खड़े हैं। अब चाहे गांधी रहे हों या अंबेडकर या फिर लोहिया या दीनदयाल, उनके विमर्श की गहराई से पड़ताल करेंगे तो उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण लगता है। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों को देखिए तो समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं दिखता। उनकी राजनीति की गहराई से पड़ताल करें तो उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है। कांग्रेस की राजनीति अतीत में ऐसी अतिवादी नहीं रही है, लेकिन अब उसकी भी राजनीति उसी राह पर चल रही है। साफ लगता है कि जाति की राजनीति और जातियों को उनके दायरे में और बुलंद बनाने की प्रक्रिया को राजनीतिक सहयोग देने वाले राजनीतिक समूहों का एकमात्र मकसद सामाजिक बराबरी लाना नहीं है, बल्कि इन जातीय समूहों को आधार बनाकर खुद सत्ता हासिल करना है। खुलेआम जातीय राजनीति करने वालों को शायद यह पता नहीं है कि जिन सवर्ण जातियों के खिलाफ बाकी जातियों को गुस्से से भरने में वे मशगूल हैं, उन्हीं जातीय समूहों में कुछ ऐसी जातियां भी हैं, जिन्हें सवर्ण जातियों के बीच दोयम हैसियत रही है। ये मौजूदा जातीय विमर्श में पिछड़े नजर आते हैं। लेकिन सत्ता की राजनीति में मशगूल राजनीति को इस ओर ध्यान देने के लिए फुर्सत नहीं है। बेहतर होता कि इस नजरिए से भी राजनीति सोचती। सच तो यह है कि सामाजिक रूप से जब भी जाति व्यवस्था टूटने की ओर बढ़ने लगती है, राजनीति उसकी दरार को और बढ़ाने के लिए आगे आ जाती है। जाति पूछने को लेकर उठे राजनीतिक बवाल के बीच कुछ सवाल भी बनते हैं। राजनीति से उम्मीद की जाती है कि वह कम से कम जिस तरह वह खुद का व्यवहार करती रही है, वैसा व्यवहार वह दूसरों से भी करती है। उसके पास कोई विशेषाधिकार नहीं है कि वह सामने वाले को जाति के नाम पर जलील करे और अपनी जाति पर आ जाए तो चिढ़ जाए।

विचार मंथन

सारी दुनिया के शेयर बाजारों में हाहाकार, सबसे बड़ी आर्थिक मंदी की शुरुआत

(लेखक-सनत जैन)

दुनिया के लगभग सभी देशों में आर्थिक मंदी देखने को मिल रही है। नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। सारी दुनिया के देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच रही है। काम धंधे कम होते चले जा रहे हैं। अमेरिकी फेडरल द्वारा ब्याज कम किए जाने के बाद दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में हड़कंप मच गया है। भारतीय शेयर बाजार भी इससे अछूते नहीं रहे। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। सोमवार को जैसे ही शेयर बाजार में कारोबार शुरू हुआ। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज मे 2670 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। निफ्टी मे भी 820 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। भारतीय शेयर बाजार में सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं और बैंकों का भारी पैसा निवेश है। इस गिरावट का सबसे बड़ा असर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को होने जा रहा है। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण भारत के कई बैंक दिवालिया हो सकते हैं। भारत के बैंक भी ब्याज दरों को घटा सकते हैं। आर्थिक मंदी का प्रभाव सारी दुनिया के देशों में फैल गया है। अमेरिका से आर्थिक मंदी की जो शुरुआत हुई है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ दुनिया के सभी देशों में फैल रहा है। अमेरिका की बेरोजगारी दर 4.3 फ़ीसदी से अधिक हो गई है। अमेरिका में यह 3 साल के सबसे उच्चतम स्तर पर है। अमेरिका की सरकार ने एक नई स्कीम भारतीयों के लिए निकाली है। जिसमें 2 करोड रुपए अमेरिका में निवेश करने पर 5 साल का वीजा मिलेगा। पति-पत्नी अपने साथ तीन लोगों को और भी काम के लिए ला सकते हैं। इस स्कीम में अमेरिका में कारोबार शुरू करने पर कम से कम पांच स्थानीय नागरिकों को रोजगार देने की शर्त लगाई गई है। अमेरिका ने 60000 भारतीयों को इस स्कीम का लाभ देने का प्रस्ताव किया है। भारत से वैसे भी पलायन कर विदेश जाने की होड़ लगी हुई है। नई स्कीम के बाद भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में अमेरिका में जाकर कारोबार शुरू कर सकते हैं। वित्तीय रिसर्च संस्थान ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट एवं अन्य वित्तीय अर्थशास्त्रियों के अनुसार अमेरिका में मंदी की संभावना 15 फ़ीसदी से बढ़कर 25 फ़ीसदी होने की संभावना जताई जा रही है। ईरान और इजरायल के बीच में तनाव बढ रहा है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका गहरा गई है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी तेज हो गया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए दुनिया के सभी शेयर बाजार इससे प्रभावित हो रहे हैं। भारत में सोमवार को शेयर बाजारों में इसका बड़ा असर देखने को मिला है। जैसे ही कारोबार शुरू हुआ, मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 2700 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 820 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में मंदी की आशंका से निफ्टी के 50 शेयर वाले इंडेक्स के 48 शेयर तथा 30 शेयर वाले बीएससी इंडेक्स के सभी शेयरों में भारी गिरावट के साथ बिकवाली शुरू हुई। हिंडालको 4 फ़ीसदी गिरावट के साथ सबसे शीर्ष पर रहा। उसके बाद टाटा मोटर्स, श्रीराम फाइनेंस, ओएनजीसी, अदानी पोर्टस के शेयर भी भारी गिरावट के साथ बिकवाली हुई। दुनिया के सभी शेयर बाजारों की तुलना में भारतीय शेयर बाजार की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बेलगाम घोड़े की तरह सरपट भाग रहा था। भारत का शेयर बाजार मुनाफा वसूली के लिए सबसे अच्छा बाजार बना हुआ था। भारत के वित्तीय संस्थान, जिसमें बैंक और सरकारी क्षेत्र के संस्थानो ने बड़ी मात्रा में शेयर बाजार में निवेश किया हुआ है। म्युचुअल फंड के माध्यम से भी मध्यवर्ग का निवेश बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में हुआ है। शेयर बाजार की इस गिरावट से भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान होने जा रहा है। 2008 में जो स्थिति अमेरिका की थी। वही स्थिति अब भारत की होने जा रही है। अर्थशास्त्रियों का मानना है, अभी तक डॉलर के मुकाबले रुपए का गिरना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक माना जा रहा था। भारत को अपना निर्यात व्यापार बनाए रखने के लिए, भविष्य में रुपए का मूल्य घटाना पड़ सकता है। इस दोहरे संकट के कारण, भारत की अर्थव्यवस्था को संभालना बहुत मुश्किल होगा। दुनिया के सभी देशों की तुलना में भारत में सबसे ज्यादा टैक्स और शुल्क वसूल किये जा रहे हैं। आर्थिक मंदी की दशा में इसका प्रभाव आम जनता पर पड़ेगा। टैक्स और शुल्क से सरकार की आय कम होगी। सरकार को महंगाई नियंत्रित करने के लिए टैक्स कम करना पड़ सकता है। इसका असर सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले 10 वर्षों में भारत की जनता को जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए हैं। यदि उसके विपरीत स्थिति बनती है। तो भारत में महंगाई, बेरोजगारी और रोजगार के साथ-साथ कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो सकती है। आर्थिक मंदी के जो वेश्विक संकेत देखने को मिल रहे हैं, उससे भारत अछूता नहीं है।

मानसून में रेनकोट नहीं का ऐसे रखें ध्यान

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट ख़राब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट ख़राब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की ज़रूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेंट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि फंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़कियां और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।
वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल हैं। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके घर के लेआउट और जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि पत्ते हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फ़िल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे वायरस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिरके बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नाम: शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी व्यक्ति हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ओकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती हैं। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर बल्कि निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती हैं। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

औरों में कहाँ दम था ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर तोड़ा दम, नहीं निकल सकती लागत

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था' शुक्रवार 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को लेकर लंबे समय से हाइफ क्रिएट की जा रही थी। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत काफी कमजोर रही। अजय और तब्बू की जोड़ी दर्शकों के खासी लोकप्रिय है और दर्शक इस जोड़ी को देखना पसन्द करते हैं, लेकिन इस बार लगता है कि उनका जादू नहीं चल पाया। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बजट के हिसाब से देखा जाए तो इसका कलेक्शन काफी कम रहा। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मात्र 2 करोड़ रुपए कमाए हैं। फिल्म का बजट 100 करोड़ रुपए के करीब बताया जा रहा है। जानकारों का मानना था कि फिल्म को करीब 5-6 करोड़ रुपए की ओपनिंग तो मिलनी चाहिए थी। इसके बावजूद उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को इसके कारोबार में सुधार होगा। अब यह सुधार कितना होगा यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि अपने पहले वीकेंड में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ तक का कारोबार करने में कामयाब हो जाएगी। इस हिसाब से देखा जाए तो अजय देवगन की औरों में कहाँ दम इस वर्ष की पहली बड़ी असफल फिल्म होगी, क्योंकि अजय की इससे पहले इस साल आई दो फिल्मों ने अपने पहले दिन इसकी तुलना में कहीं अच्छा बिजनेस किया था। अजय की माधवन के साथ आई फिल्म 'शैतान' को तो बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला था। इसने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपए बटोरे थे। फिल्म ने ओवरऑल 200 करोड़ से ज्यादा कमाए थे।

अरिजीत ने पोस्टपोन किया लाइव कॉन्सर्ट

अरिजीत सिंह वर्तमान समय में हिन्दी फिल्म उद्योग के बेहतरीन गायकों में शुमार हैं। कमोबेश हर संगीतकार अपना संगीतबद्ध गीत अरिजीत सिंह से गवाना पसन्द करता है। फिल्मों में गीत गाने के साथ-साथ अरिजीत स्टेज पर भी अपनी परफार्मस देते रहते हैं। ऐसा ही उनका एक लाइव कॉन्सर्ट 11 अगस्त को ब्रिटेन में होने वाला था, लेकिन बताया जा रहा है कि उन्होंने इस कॉन्सर्ट को पोस्टपोन कर दिया है। इसका कारण उन्होंने यह बताया है कि उनका स्वास्थ्य सही नहीं है, जिसके चलते वे इस कॉन्सर्ट की तैयारी नहीं कर सकते हैं। अरिजीत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, डियर फैंस, मुझे ये बताते हुए दुख हो रहा है कि मुझे अचानक से मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ गई है, जिसकी वजह से मुझे मजबूरन अगस्त के कॉन्सर्ट को पोस्टपोन करना पड़ा। मैं जानता हूं कि आप बेसब्री से इन शोज का इंतजार कर रहे थे और मैं इसे पोस्टपोन करने के लिए तहेदिल से माफी मांगता हूं। आपका प्यार और सपोर्ट मुझे ताकत देगा। आइए इस विराम को और भी जादुई री-यूनियन के वादे में बदल दें। इस कॉन्सर्ट की नई डेट 15 सितंबर को (लंदन), 16 सितंबर (बर्मिंघम), 19 सितंबर (रॉटरडैम) और 22 सितंबर (मैनचेस्टर) है। अभी खरीदे गए टिकट तब वैलिड रहेंगे। अरिजीत ने इसके साथ ही फैंस को थैंक्स बोला।

मैं यहां जीतने आई थी और जीत गई

देश के सबसे लोकप्रिय शो बिग बॉस के ओटीटी संस्करण के तीसरे सीजन का समापन हो गया। इस शो को सना मकबूल ने यह शो जीत लिया है। सितारों से सजे फिनाले इवेंट में अनिल कपूर ने विजेता के रूप में सना के नाम की घोषणा की। मुखर से अपनी बात रखने और रणनीतिक खेल के लिए जानी जाने वाली सना मकबूल ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी और 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीता। शो की विजेता बनने के बाद एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में सना ने बिग बॉस के घर के अंदर के अपने अनुभव साझा की। साथ ही, उन्होंने शो में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि बिग बॉस के घर में मिली-जुली भावनाएं होती हैं। सना ने कहा, पहले दो हफ्ते सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, चीजें बदलती चली जाती हैं। जो लोग साथ बैठते थे वे आपके बारे में बुरा-भला कहने लगते हैं और जो साथ नहीं बैठते वे आपकी पीठ पीछे और भी ज्यादा बातें करने लगते हैं। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा आया जब मैं बिल्कुल अकेली रह गई। घर में अलग-अलग समूह बनने लगे। फिर एक पल ऐसा आया जब मेरे दोस्त दूर होने लगे और ऐसा लगा कि मेरे जो दोस्त थे, जो मुझे समझते थे, मुझे लाड़-प्यार करते थे और मुझे हंसाते थे, वे अब नहीं रहे। उनके साथ रहना, उनके साथ खाना-पीना अच्छा लगता था। मेरे लिए कुछ और मायने नहीं रखता था, क्योंकि ये चार लोग मेरे साथ थे, लेकिन जैसे-जैसे वे जाने लगे, यह और भी बुरा लगने लगा और घर मेरे खिलाफ होता चला गया। लेकिन मुझे लगता है कि यह मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति थी कि आपको हार नहीं माननी चाहिए और मैं बहुत केंद्रित थी। कई बार अलग-थलग महसूस करने के बावजूद सना अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहीं। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं यहां जीतने के लिए आई थी और मैंने जीत हासिल की। अपने प्रशंसकों और साथी प्रतियोगियों के समर्थन उन्होंने दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे प्यार करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे जिद्दी सना से जिद्दी विजेता सना में बदल दिया है। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय रैपर नैजी को दिया, जिन्होंने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास किया। फिनाले में रैपर नैजी, अभिनेता रणवीर शौरी और साई केतन राव और कंटेंट क्रिएटर कृतिका मलिक सहित अन्य फाइनलिस्ट भी शामिल थे। नैजी दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रणवीर को तीसरे स्थान पर संतुष्ट होना पड़ा।

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली की राहें हुईं जुदा?

सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली नंदा के बीते लंबे समय से रिश्ते में होने की अफवाहें हैं। लेकिन, न तो कभी सिद्धांत और न ही कभी नव्या ने अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। हालांकि, दोनों को कई दफा साथ में स्पॉट किया गया। वहीं, इनके कथित रिश्ते की फुसफुसाहट तब शुरू हुई जब दोनों ने एक-दूसरे के सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणियों का आदान-प्रदान करना शुरू कर दिया। हालांकि, अब इस कथित जोड़ी के प्रशंसकों के लिए दुखद खबर सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो सिद्धांत चतुर्वेदी और नव्या नवेली ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दोनों अब अलग हो गए हैं और ब्रेकअप पूरी तरह से सौहार्दपूर्ण था। साथ ही दो परिपक्व वयस्कों की तरह, दोनों एक-दूसरे के दोस्त बने रहेंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, ब्रेकअप की अफवाह ने उनके प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया है कि वास्तव में उनके रिश्ते में क्या गलत हुआ कि उन्हें ब्रेकअप का निर्णय लेना पड़ा। हालांकि, न तो सिद्धांत और न ही नव्या ने सार्वजनिक रूप से ब्रेकअप की पुष्टि की है, लेकिन उनकी हालिया सोशल मीडिया गतिविधि से उनके बीच दूरी का पता चलता है। उनके ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों को निराश कर दिया है, लेकिन वे इस जोड़े को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह सिंगल नहीं हैं और किसी को डेट कर रहे हैं। वह लड़की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हुई है लेकिन कोई अभिनेत्री नहीं है। सिद्धांत की पुरानी बातों का इशारा भी नव्या की तरफ जा रहा था। एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि दोनों अपने रिश्ते को लेकर काफी ज्यादा सीरियस हैं। ऐसे में सामने आई दोनों के ब्रेकअप की खबर ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। काम के मोर्चे पर, सिद्धांत चतुर्वेदी अब बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 में दिखाई देंगे। उनके अलावा, फिल्म में खूबसूरत अभिनेत्री तृप्ति डिमरी भी होंगी। फिल्म का निर्देशन जहां शाजिया इकबाल कर रही हैं। वहीं इसका निर्माण करण जौहर, उमेश केआर बंसल, हीरू यश जौहर, अपूर्व मेहता, मीनू अरोरा और सोमेन मिश्रा कर रहे हैं।

कल्कि 2898 एडी की सफलता के लिए दीपिका ने जताया आभार

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफलता के झंडे गाड़ रही है। फिल्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद हाल ही में दीपिका पादुकोण ने अपने फैंस के साथ वर्चुअली रूप से जुड़ीं। उन्होंने फिल्म को दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। कैजुअल लुक में डेनिम जैकेट पहने दीपिका फैंस के साथ जुड़कर बेहद खुश नजर आईं।

फैंस से बातचीत कर खुश हुईं दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने फैंस से बातचीत के दौरान सवालों का जवाब देते हुए बातचीत में गर्मजोशी ला दी। इस दौरान फैंस के प्रति अभिनेत्री का भरपूर प्यार देखने को मिला। उनके उिस स्वभाव से उनके प्रशंसकों के चेहरे पर भी मुस्कान खिल उठी। सभी फैंस ने दीपिका को एक के बाद एक बड़ी सफल फिल्में देने के लिए उनको बधाई देना शुरू कर दिया। अभिनेत्री ने फैंस के साथ अपने शानदर पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया है।

लगातार कई सफल फिल्में दे चुकीं दीपिका पठान, जवान, फाइटर और अब कल्कि 2898 एडी समेत दीपिका पादुकोण ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई सफल फिल्में दी हैं। उनकी ये सफलताएं उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित करती हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि 2898 एडी को एक मेगा ब्लॉकबस्टर के रूप में सराहा गया है। फिल्म में अभिनेत्री मे गर्भती महिला का किरदार निभाया है। फिल्म में दीपिका के साथ प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी नजर आई हैं।

लेडी सिंघम के किरदार में आएंगी नजर

दीपिका इन दिनों अपनी प्रेगनेंसी को एंजॉय कर रही हैं। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण सितंबर में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने की उम्मीद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आएंगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वेब सीरीजचंगेज में राजस्थानी किरदार निभाएंगे समर्थ जुरेल

टीवी अभिनेता समर्थ जुरेल के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। समर्थ जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज होने वाली है, जिसे इसी साल रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, समर्थ जुरेल जिस वेब सीरीज में अभिनय करते दिखेंगे, उसका नाम चंगेज है। इसका निर्देशन जजविंदर सोढ़ी द्वारा किया जा रहा है। इसकी कहानी एक गैंगस्टर पर आधारित है। कहा जा रहा है कि समर्थ राजस्थानी रोल में दिखाई देंगे। वेब सीरीज चंगेज में समर्थ जुरेल के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता यशपाल शर्मा भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इन दोनों के अलावा चित्तरंजन त्रिपाठी और उज्ज्वल चोपड़ा भी इसमें काम करते हुए दिखेंगे। फिलहाल सीरीज के मुख्य कलाकारों के बारे में खुलासा होना बाकी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही आधिकारिक तौर पर पूरी स्टारकास्ट के बारे में जानकारी दे दी जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, चंगेज की टीम ने हाल ही में, अपने चंडीगढ़ शेड्यूल का काम खत्म किया है। इसकी शूटिंग काफी पहले से चल रही थी और अब बचे हुए हिस्सों को फिल्माने का काम किया जाएगा। कहा जा रहा है कि बची हुई शूटिंग को मुंबई में पूरा किया जाएगा। मालूम हो कि समर्थ जुरेल टीवी शो उडारियां और मैत्री में काम कर चुके हैं।

गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से आखिर क्यों शादी नहीं करना चाहते अर्जुन रामपाल, बताई वजह!

अर्जुन रामपाल इन दिनों फिल्मों से कम और अपने निजी जीवन को लेकर सुर्खियों में ज्यादा रहते हैं। इससे पहले अर्जुन ने मेहर जेसिया के साथ अपनी असफल शादी के बारे में कई बाते बताई थीं। अब अर्जुन ने अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स के साथ उनके रिश्ते के बारे में खुलकर बातचीत की है। साथ ही अर्जुन ने शादी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया बताई, कि आखिर वो क्यों अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से शादी नहीं करना चाहते हैं। बता दें अर्जुन पिछले पांच सालों से गैब्रिएला को डेट कर रहे हैं। अर्जुन रामपाल और गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने अपने रिश्ते के लिए गैर-पारंपरिक रास्ता चुना है। यह जोड़ा तकरीबन पिछले पांच सालों से साथ में है और उनके दो बेटे भी हैं, लेकिन उन्होंने शादी करने का विकल्प ही नहीं चुना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन रामपाल ने एक नए इंटरव्यू के दौरान कहा, शादी लोगों को बदल सकती है। आखिरकार एक कागज का टुकड़ा ही है। इसके साथ ही अर्जुन ने कहा कि उनके दिमाग में वह पहले से ही गैब्रिएला से शादीशुदा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने एक शो के दौरान कहा, यह मैं नहीं हूं, यह वह नहीं है। शादी क्या है? आखिर एक कागज का टुकड़ा ही तो है। मुझे लगता है कि हम पहले से ही शादीशुदा हैं और इस बारे में मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। लेकिन, कभी-कभी शादी का कागज का टुकड़ा भी आपको बदल सकता है। क्योंकि ऐसा लगता है कि यह स्थायी है, वास्तव में यह एक गलत धारणा है, लेकिन आप कानूनी रूप से बंधे हुए हैं।

आगे अर्जुन ने यह भी कहा, शादी एक-दूसरे के प्रति आपके नजरिए को बदल सकता है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसा ही महसूस करते हैं। हमारे बीच जो कुछ भी हुआ वह बहुत स्वाभाविक है। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता क्योंकि मैं इसे बदकिस्मत नहीं बनाना चाहता। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी के सामने इसे सही ठहराने की जरूरत है। हमारे लिए, यह खूबसूरत है। आपको इसे जितना हो सके उतना लंबे समय तक अनुभव करना चाहिए। हम दोनों के मन में हम दोनों ही एक-दूसरे से शादीशुदा हैं। हम दोनों एक-दूसरे को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही हम बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जुन ने आगे यह भी कहा कि वह शादी के खिलाफ नहीं हैं। आगे अर्जुन ने कहा, मैं किसी को यह सलाह नहीं दे रहा हूं और ना ही आपको शादी के खिलाफ जाने के लिए कह रहा हूं। हो सकता है कि हम शादी कर लें। आप कभी नहीं जानते। अर्जुन ने पहले मेहर जेसिया से शादी की थी, उनकी शादी तकरीबन 20 साल तक चली। इस शादी से उनकी दो बेटियां हैं। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अर्जुन ने अपने तलाक के बारे में बात करते हुए मेहर से अलग होने की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ली।

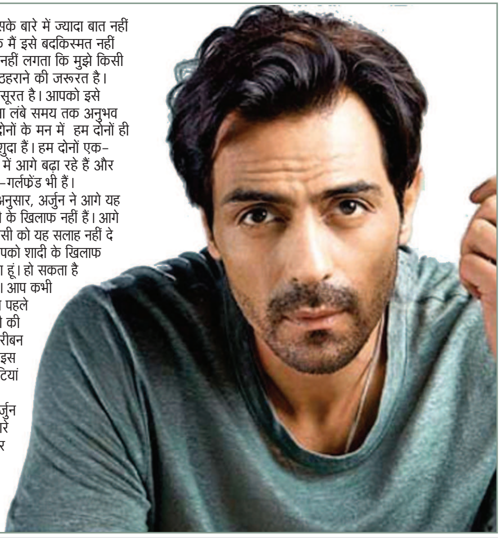

पेरिस ओलंपिक : स्वर्ण से दो जीत दूर भारतीय हॉकी टीम, सेमीफाइनल में जर्मनी की चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने की राह पर भारतीय हॉकी टीम के सामने मंगलवार को सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन जर्मनी की चुनौती होगी और इस बाधा को पार करके टीम 'संकटमोचक' पी आर श्रीजेश को शानदार विदाई देने के अपने मिशन की अगला कदम रखेगी। ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद भारतीय टीम ने जिस साहस और कौशल का प्रदर्शन करके मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक खिंचा, वह काबिले तारीफ है।

तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी की पेनल्टी बचाकर भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने वाले नायक श्रीजेश एक बार फिर जीत के सूत्रधार बने। उन्होंने शूटआउट में ब्रिटेन के दो शॉट बचाए और इससे पहले निर्धारित समय के भीतर भी ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और 10 पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन महज एक सफलता मिली। 36 वर्ष के श्रीजेश का यह आखिरी टूर्नामेंट है और उन्हें स्वर्ण पदक के साथ विदा करने का मिशन भारतीय टीम के लिए अतिरिक्त प्रेरणा बना है।

1980 में मॉस्को में जीता था गोल्ड

भारत ने आठ ओलंपिक स्वर्ण में से आखिरी 1980 में मॉस्को में जीता था और अब पेरिस में उसके पास 44 साल बाद इतिहास रचने का मौका है। सेमीफाइनल जीतने पर भारत का रजत तो पक्का हो जाएगा जो आखिरी बार उसने 1960 में रोम में जीता था। ब्रिटेन के खिलाफ भारत ने करीब 40 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेला क्योंकि अमित रोहिदास को रेडकार्ड दिखाया गया था।

सेमीफाइनल से बैन हुए अमित रोहिदास की कमी खलेगी

सेमीफाइनल में भी भारत को अपने नंबर एक फर्स्ट रशर के बिना ही खेलना होगा जिन पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। हॉकी इंडिया ने हालांकि इसके खिलाफ अपील की है। रोहिदास की गैर मौजूदगी भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी खलेगी क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद वह भारत के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ हैं। उनकी गैर मौजूदगी में अब हरमनप्रीत पर अतिरिक्त दबाव रहेगा जो शानदार फॉर्म में हैं और अब तक 7 गोल कर चुके हैं। आधुनिक हॉकी में भारतीय डिफेंस का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और जैसा कि कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि यह जीत नहीं एक 'स्टेटमेंट' था।

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा, 'जब मैं मैदान पर उतरा तो मेरे सामने दो ही विकल्प थे। यह मेरा आखिरी मैच हो सकता था या मेरे पास दो मैच और खेलने के मौके होते। अब मेरे पास दो मैच और खेलने के मौके हैं।' हरमनप्रीत ने कहा, 'कुछ चीजें हमारे हाथ में नहीं होती। सेमीफाइनल में अमित का नहीं होना खलेगा लेकिन हमारा फोकस मैच पर और अपने प्रदर्शन पर है। क्वार्टर फाइनल में आखिरी मिनट तक हर खिलाड़ी ने अमित की कमी पूरी करने की कोशिश की।'

भारत-जर्मनी का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड

विश्व रैंकिंग और एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड को देखें तो मौजूदा विश्व चैम्पियन और चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जर्मनी और भारत में ज्यादा फर्क नहीं है। जर्मनी विश्व रैंकिंग में चौथे और भारत पांचवें स्थान पर है। क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना को

हराने वाली जर्मनी का सामना भारत से तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक के मैच में हुआ था जिसमें भारत ने 5-4 से जीत दर्ज की थी। श्रीजेश ने आखिरी सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर बचाया था।

ओलंपिक से पहले भारत ने जर्मनी से अभ्यास मैच खेले थे और छह में से पांच जीते। इस साल जून में एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण में भारत ने जर्मनी को 3-0 से हराया लेकिन रिटर्न मैच में 2-3 से हार गए। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम जर्मनी से फाइनल में खेलना चाहते थे। हमने टीम बैठकों में भी इस पर बात की थी। वह कठिन प्रतिद्वंद्वी है और उसके खिलाफ मैच आखिरी मिनट तक जाते हैं।' दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड का सामना स्पेन से होगा। भारत का मैच रात 10-30 पर खेला जाएगा।

हरभजन ने पाक प्रशंसक को करारा जवाब दिया

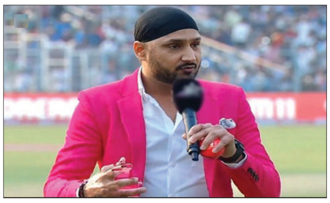

लाहौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने एक पाकिस्तानी प्रशंसक को करारा जवाब दिया है। ये पाक प्रशंसक इरफान पठान की मजाक उड़ा रहा था। हरभजन ने हाल ही में एक पाकिस्तानी पत्रकार को मोहम्मद रिजवान की तुलना महेन्द्र सिंह धोनी से करने पर भी कड़ी फटकार लगायी थी। वहीं अब अब उन्होंने इरफान को ट्रोल कर रहे एक पाक प्रशंसक को जमकर फटकारा है। ये मामला एसक वीडिया को है इसमें पाक के बल्लेबाज बाबर आजम मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में जाते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ लिखा गया है कि जब इरफान पठान ने बाबर आजम से साक्षात्कार लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। हालांकि इस वीडियो में कहीं भी इरफान नजर नहीं आ रहे हैं।

हरभजन ने इस पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, इस वीडियो में इरफान कहां हैं। साथ ही कहा कि आपको बोलन का ढ़ंग तो था नहीं। वहीं अब लगता है कि आंखों से दिखना भी बंद हो गया है। अगर कोई सवाल तुम लोगों से अंग्रेजी में पूछें तो समझ में आयेगा। हरभजन के इस कमेंट की कई लोगों ने सराहना की है। वहीं कई लोगों को कहना है कि उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिये था क्योंकि वह एक स्टार खिलाड़ी हैं।

ऋषभ, ईशांत और ललित दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 17 अगस्त से यहां होने वाली दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में खेलेंगे। ऋषभ को इस लीग के लिए दिल्ली 6 फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम में ऋषभ के अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी खेलेंगे।

दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग 17 अगस्त से शुरु होकर सितंबर तक चलेगी। इसका फाइनल 8 सितंबर को खेला जाएगा। इस इस लीग में ऑलराउंडर ललित यादव भी खेलेंगे। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर शिवम शर्मा हैं को रखा है। इस फ्रेंचाइजी ने ऑफ स्पिनर अर्पित राणा और तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी अपने साथ रखा है।

इस लीग के सभी मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। टी20 लीग के उद्घाटन सीजन में कुल 40 मैच होंगे इसमें 33 पुरुष और 7 महिलाएं हैं। इसमें पुरुष वर्ग में 33 और महिला वर्ग में 7 मैच शामिल हैं। इस लीग के लिए हुए ड्राफ्ट में दिल्ली के 270 क्रिकेटर शामिल थे, जिनमें राष्ट्रीय, आईपीएल, राष्ट्रीय और अंडर-19 टीमों में खेलने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं.

पुरानी दिल्ली 6 टीम इस प्रकार है- ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, ललित यादव, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भदाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छीकरा, अर्णव बग्गा, वंश बेदी, मंजीत यश भारद्वाज, संभव शर्मा।

विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है, पाक हॉकी दिग्गज की भारतीय टीम को सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है, 'विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता।'

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कहा, 'जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं। यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है।' उन्होंने कहा, 'इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे।'

इस यकीन के साथ सेमीफाइनल में उतरें

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रदर्शन से मैं काफी प्रभावित हुआ। भारतीय टीम अच्छी है और उसे दिमाग में यह बिठाकर खेलना है कि हम जीत सकते हैं। इस स्तर पर मानसिक तैयारी का ही फर्क होता है।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1984 ओलंपिक सेमीफाइनल की अपनी तैयारियो को याद करते हुए 66 वर्ष के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमने

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। टीम बैठकों में हमने इस पर बात की और हमें यकीं था कि हम उन्हें हरा सकते हैं। भारत को भी यह यकीन लेकर सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ उतरना होगा।'

भारतीय टीम ने रविवार को क्वार्टर फाइनल में अमित रोहिदास को रेडकार्ड मिलने के बाद लगभग 40 मिनट दस खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद पेनल्टी शूटआउट में ब्रिटेन को 4-2 से हराया। दिल्ली एशियाई खेल 1982 के फाइनल में हैट्रिक लगाकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान की 7-1 से जीत के नायक रहे सरदार ने कहा, 'दस खिलाड़ियों के साथ खेलना हमेशा कठिन होता है लेकिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। खासकर कप्तान जबर्दस्त फॉर्म में है। इस जीत से उनका मनोबल काफी बढ़ा होगा और अब उन्हें बस स्वाभाविक खेल दिखाना है।'

उन्होंने कहा, 'हमने जब भारत को एशियाई खेलों के फाइनल में भारत में हराया था तो हमारा फोकस बढ़त बनाने और उसे दुगुनी करने पर था। दोनों टीमें अच्छा खेली लेकिन हम खुशकिस्मत थे कि इतने गोल कर सके।' भारत ने आखिरी बार ओलंपिक स्वर्ण 1980 में मॉस्को में और आखिरी रजत 1960 में रोम ओलंपिक में जीता था। अब पेरिस में उनके पास इतिहास रचने का मौका है।

जर्मनी को जवाबी हमले या वापसी का मौका कतई नहीं दें

जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल के लिए उन्होंने भारत को सलाह दी है कि उसे जवाबी हमले या वापसी का मौका कतई नहीं दें। उन्होंने कहा, 'जर्मन टीम काफी कठिन प्रतिद्वंद्वी है। वे जबरदस्त वापसी करते हैं और शारीरिक रूप से बहुत मजबूत हैं। आप उन्हें शॉर्ट पास से ही हरा सकते हैं। पहला गोल करना जरूरी है और उन्हें वापसी से रोकना भी। भारतीय डिफेंस काफी मजबूत है और मुझे यकीन है कि वह ऐसा कर सकेगा।'

बीसीसीआई को लगानी होगी शराब और तंबाकू से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन पर रोक : स्वास्थ्य मंत्रालय

मुम्बई (ईएमएस)। अब आने वाले समय में भारतीय क्रिकेटर तंबाकू-शराब से जुड़े उत्पादों के विज्ञापन नहीं कर पायेंगे। देश में क्रिकेट मैचों के दौरान कई बार तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन अन्य उत्पादों के जरिए पेश किये जाते हैं पर अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसको लेकर बीसीसीआई को कदम उठाने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि क्रिकेट स्टेडियमों में तंबाकू-शराब को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर रोक लगायी जाये। सरकार का मानना है कि कई युवा क्रिकेटरों को आदर्श मानते हैं और उनसे प्रभावित रहते हैं। ऐसे में इस प्रकार के विश्रापनों का उनपर विपरीत प्रभाव पड़ता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस

मामले में बीसीसीआई को एक पत्र भी लिखा है1 जिसमें अपनी चिन्ताएं जाहिर की हैं। इसमें कहा गया है कि बीसीसीआई को भारत के खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रशंसकों को ध्यान में रखते हुए खेल को बढ़ावे देने के लिए नीतियां, रूपरेखा, दिशानिर्देश सही बनाने चाहिये जिससे आईपीएल जैसे क्रिकेट आयोजनों के दौरान कुछ जाने-माने क्रिकेटरों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन करते हुए देखना निराशाजनक हैं। ऐसें बीसीसीआई खिलाड़ियों को तंबाकू या शराब से जुड़े विज्ञापन को रोकने के लिए सकारात्मक कदम उठाये। बीसीसीआई को इन विज्ञापनों से करोड़ों रुपये की आय होती है। ऐसे में देखना है कि बोर्ड क्या कर्रवाई करता है।

मनिका की अगुआई में भारत ने रोमानिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची रैंकिंग वाले रोमानिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत 2-0 से आगे चल रहा था लेकिन रोमानिया ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर

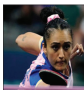

ली लेकिन निर्णायक मैच में मनिका ने जीत दर्ज करने टीम को जीत दिला दी। श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच में एडिना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा पर 11-9, 12-10, 11-7 से जीत दर्ज करके मुकाबले की शुरुआत की। मनिका ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बर्नाडेट जोक्स को 11-5, 11-7, 11-7 से हराया जिससे भारत ने अपने चौथे वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की। प्रतियोगिता में भारत को 11वीं वरीयता दी गई है। दूसरे एकल में पहला गेम जीतने के बाद श्रीजा यूरोपीय चैंपियन समारा से 2-3 (11-8 4-11 11-7 6-11 8-11) से हार गईं। श्रीजा की हार के बाद अर्चना और बर्नाडेट के बीच मुकाबला हुआ। बर्नाडेट ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर बराबरी हासिल कर ली। बर्नाडेट ने अगले दो गेम 11-7, 11-9 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मनिका ने एडिना को 3-0 (11-5, 11-9, 11-9) से हराकर भारत को अंतिम आठ में जगह दिलाई। क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला अमेरिका या जर्मनी से होगा। पिछले हफ्ते मनिका और श्रीजा दोनों ने ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर टेबल टेनिस में इतिहास रचा था।

अमेरिका के नोआ लाइल्स को स्वर्ण मिलने पर उठे सवाल

-जमैका के थॉम्पसन का पैर पहले फिनिश लाइन पर पहुंचा

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका के नोआ लाइल्स को पुरुष 100 मीटर के इवेंट में स्वर्ण मिलने पर सवाल उठने लगे हैं। इसका कारण है कि जमैका के किशन थॉम्पसन का पैर पहले लाइन के पार हुआ था। इस दौरान सभी धावकों की टाइमिंग तकरीबन बराबर रही।

इस जीत के साथ ही अमेरिका के नोआ दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए हैं। वहीं थॉम्पसन दूसरे नंबर पर रहे। रेस समाप्त होने के बाद तक किसी को पता नहीं था कि विजेता कौन है। 100 मीटर की रेस में लाइल्स और थॉम्पसन ने तकरीबन एक साथ ही फिनिशिंग लाइन को पार किया था। इसके बाद स्वर्ण का फैसला रिप्ले में हुआ। इसमें पता चला कि लाइल्स 0.005 सेकंड से मुकाबला जीत गये हैं। फाइनल का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें स्वर्ण विजेता अमेरिका के लाइल्स से पहले थॉम्पसन का पैर फिनिशिंग लाइन को पार करते हुए दिखा है। इसके बाद सभी इससे हैरान हैं कि अमेरिकी धावक को कैसे विजेता घोषित कर दिया गया। नियम के अनुसार किसी भी रेस में फिनिशिंग लाइन को पहले बार करने वाला धावक विजेता माना जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि फिनिशिंग लाइन तो थॉम्पसन ने पार की फिर नोआ लाइल्स को कैसे जीता हुआ माना लिया गया। वहीं नियम के अनुसार धावक के पैर या हाथ के फिनिशिंग लाइन पार करने से दौड़ पूरी नहीं मानी जाती। ये तब पूरी मानी जाती है जब धावक का सीना फिनिश लाइन को पार कर ले।

पहली बार एसए 20 में खेलते नजर आयेंगे बेयरस्टो

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में अगले साल की शुरुआत में होने वाले एसए 20 क्रिकेट लीग के लिए नीलामी अभी शुरु नहीं हुई है पर दो टीमों जोहांसबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स ने खिलाड़ियों को रिटेन करना शुरु कर दिया है। इंग्लैंड के क्रिकेटर जॉनी बेयरस्टो इस बार पहली बार एसए 20 में खेलते हुए दिखेंगे। वह जोबर्ग सुपर किंग्स की टीम से जुड़े हैं। जोबर्ग सुपर किंग्स पिछले सत्र में क्वालीफायर तक का पहुंची थी। वहीं क्वालीफायर में जोबर्ग सुपर किंग्स को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। एक रिपोर्ट के अनुसार जोबर्ग सुपर किंग्स ने फाफ डु प्लेसिस, गेराल्ड कोएत्जी, और डोनोवान फरेरा को अपनी टीम में वहीं पार्ल रॉयल्स ने तबरेज शम्सी को डेयान गैलीम की जगह लिया है। इसके अलावा टीम ने नांद्रे बर्गर, लिजाद विलियम्स, इमरान ताहिर, मोइन अली, महेश तीक्ष्णा और डेविड विसे को भी बनाये रखा है। जोबर्ग सुपर किंग्स ने फाफ डु प्लेसिस, मोईन अली, महेश तीक्ष्णा, जॉनी बेयरस्टो, गेराल्ड कोएत्जी, डेविड विसे, ल्यूस डू प्लॉय, लिजाद विलियम्स, नांद्रे बर्गर, डोनोवन फरेरा, सिबोनेलो मखान्या, तबरेज शम्सी, इमरान ताहिर को अपनी टीम में रखा है जबकि पॉर्ल रॉयल्स ने खिलाड़ियों को टीम में बनाये रखा है। पार्ल रॉयल्स ने पिछले सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाई पर जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ वह एलिमिनेटर में नौ विकेट से हार गयी थी। सत्र से पहले ही पार्ल रॉयल्स ने कप्तान डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी और एंडिले फेहलुकवायो सहित 10 प्लेयर्स को रिटेन किया है। इनमें क्वेना मफाका और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस भी शामिल हैं।

ट्रेनिंग की बजाय निजी कोचों के लिए दैनिक पास जुटाने में व्यस्त पहलवान

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक खेलगांव में पहुंची अधिकांश भारतीय महिला पहलवानों का समय ट्रेनिंग की बजाय अपने निजी कोचों और फिजियो के लिए दैनिक पास जुटाने में जा रहा है। विनेश फोगाट के साथ उनके कोच वोलेर एकोस और फिजियो अश्विनी पाटिल हैं जो भारतीय दल के आधिकारिक फिजियो भी हैं। उन्हें एक्रीडिटेशन मिला हुआ है जबकि बाहर रहने वाले बाकियों को खेलगांव में आने के लिए अनुमति चाहिए। अंतिम पंघाल (महिला 53 किलो), अंशु मलिक (महिला 57 किलो) और रीतिका हुड्डा (76 किलो) खेलगांव पहुंच चुकी हैं और उन्हें ट्रेनिंग के लिए निजी सहयोगी स्टाफ की जरूरत है। आईओए ने

उनके सहयोगी स्टाफ को यात्रा की मंजूरी दे दी लेकिन सभी खेलगांव के बाहर हैं और उन्हें प्रवेश के लिए रोज पास की जरूरत होती है। एक सूत्र ने बताया, 'कुश्ती स्पर्धाएं सोमवार से शुरू हो रही हैं और ऐसे में जबकि खिलाड़ियों का फोकस ट्रेनिंग पर होना चाहिए, वे कोचों को दैनिक पास दिलाने में व्यस्त हैं। वे संबंधित लोगों को मदद के लिए फोन या ईमेल कर रहे हैं।' अंशु और रीतिका रविवार को खेलगांव पहुंचे। सूत्र ने कहा, 'अंशु कोशिश कर रही है कि उसके पिता धरमवीर यहां आ सके। वहीं अंतिम चाहती हैं कि भगत सिंह और विकास उनके साथ हो। उनकी सारी ऊर्जा इसी पर खर्च हो रही है।' रीतिका के कोच मनदीप भी पेरिस पहुंच गए हैं लेकिन उनका पूरा फोकस तैयारी पर है। सूत्र ने कहा, 'रीतिका और अमन का पूरा फोकस तैयारी पर है। वे भी चाहते हैं कि उनके कोच साथ में हों लेकिन वे अपनी तैयारियों पर असर नहीं पड़ने दे रहे।' आईओए के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि पहलवान राष्ट्रीय कोचों पर भरोसा क्यो नहीं करते। उन्होंने कहा, 'जगमंदर सिंह और वीरेंदर दहिया जैसे राष्ट्रीय कोच भी वहां हैं। अगर हर किसी को निजी स्टाफ चाहिए तो राष्ट्रीय कोचों की क्या जरूरत है। पता नहीं इन्हें राष्ट्रीय कोचों पर भरोसा क्यो नहीं है।'

'मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था', फाइनल में जोकोविच से हार पर बोले अल्काराज

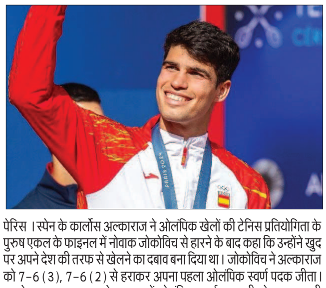

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद कहा कि उन्होंने खुद पर अपने देश की तरफ से खेलने का दबाव बना दिया था। जोकोविच ने अल्काराज को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया। वह राफेल नडाल की बराबरी करने से भी चूक गए जिन्होंने 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था। 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था क्योंकि मैं स्पेन और स्पेनिश लोगों के लिए खेल रहा था। मैं सोच रहा था कि अगर मैं स्वर्ण पदक नहीं जीत पाऊंगा तो इससे स्पेन के लोगों को निराशा होगी।' उन्होंने कहा, 'यह अलग तरह का दबाव था। स्पेन में हर कोई चाहता था कि मैं स्वर्ण पदक जीतूं और मैं भी यही चाहता था।'

ओलंपिक पदक जीतने के बाद मनु से करार करना चाहती हैं कई कंपनियां

शेटराउ(एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली महिला निशानेबाज मुन भाकर की लोकप्रियता आज शीर्ष पर है। ऐसे में स्वदेश लौटते ही मनु पर पैसे की बारिश होना तय है। कई कंपनियां मुन को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। अब देखना होगा कि मनु किसी प्रकार इस सबके बीच अपने खेल को शीर्ष पर बनाये रखती हैं। मनु ने 10 मीटर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा में एक और कांस्य पदक जीता जबकि वह 25 मीटर पिस्टल फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं।

वह अभी तक भारत वापस नहीं आई हैं लेकिन उनकी प्रबंधन कंपनी को ई-कॉमर्स से लेकर स्किनकेयर उत्पादों तक के वाणिज्यिक गठजोड़ के लिए 40 से अधिक प्रस्ताव मिल चुके हैं।

खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद मनु ने कहा कि उनके लिए बदलाव का कोई कारण नहीं है और फिलहाल उनका एकमात्र एजेंडा अगले तीन महीनों में विभिन्न प्रकार के भारतीय भोजन खाना है। मनु ने कहा कि मैं प्रसिद्धि और धन संभालने के तरीके के बारे में नहीं जानती। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपनी निशानेबाजी और इसके आसपास की अन्य दिनचर्या जिम और योग पर ही टिकी रहूंगी। भगवान आपको जो देता है उसे स्वीकार करें और जो आपके पास है उससे लोगों की मदद करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अभी मैं अगले 3 महीनों तक सिर्फ तरह-तरह के भारतीय पकवान खाना चाहती हूं पर मुझे नहीं लगता कि कोच मुझे सुबह देर तक सोने देंगे। मैं खूब खाऊंगी लेकिन यह भी सुनिश्चित करूंगी कि मैं वर्कआउट भी करूं।

वहीं मनु के कोच और भारत से निकले सबसे बेहतरीन पिस्टल निशानेबाजों में से एक जसपाल राणा का मानना ??है कि अगले तीन महीनों में वह जो कुछ भी करती है उससे यह पता चल जाएगा कि वह किस दिशा में जा रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या मनु यहां के प्रदर्शन के बाद भी वैसी ही रहेंगी तो उन्होंने कहा कि समय ही बताएगा, तीन महीने बाद। कोच ने कहा कि अभी वह बहुत से लोगों के प्रति जवाबदेह है, उसे प्रशंसकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने की जरूरत है। जब आप मशहूर हो जाते हैं तो आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, इसलिए हमने उसे तीन महीने पूरी तरह से छुट्टी रखी है। प्रतियोगिता खत्म होने

के बावजूद मनु को कुछ समय के लिए पेरिस में ही रहना पड़ सकता है, अगर उन्हें समापन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक घोषित किया जाता है तो। मनु ने कहा कि यह जीवन भर का सम्मान होगा। यह बहुत बड़ा सौभाग्य होगा।

मनपा अधिकारी तथा जी.पी.सी.बी. की लापरवाही से शहर में फैल रही बीमारी

सड़कों पर जमा हुआ कलर केमिकल का पानी

सूरत भूमि, सूरत। शहर के उधना विस्तार में कई कंपनियां ऐसी हैं जो मिलो से निकलने वाला गंदा केमिकल युक्त पानी फूल बरसात के सीजन में सीधा रोड पर बहा दे रहे हैं जो पानी बहकर उधना 9 नंबर झोपड़पट्टी विस्तार में फैल रहा है और बुरी तरह से मनपा की कमी से रोड पर इकट्ठा हो जाता है जो बहुत ही बुरी तरह बदबू मारता है। जबकि मनपा द्वारा इस जगह रोड का सुंदरीकरण करने के नाम से लोगों के बने बनाए मकान का डिमोलिशन कर दिया गया। परंतु रोड को उसी तरह जनता की समस्या बनी रहे उसके लिए छोड़ दिया गया। जहां-जहां बारिश का पानी इकट्ठा हो रहा है वही वही मिल मालिक भी मिलो का पानी बहा दे रहे हैं। जो जनता के लिए बीमारी का सबक बना हुआ है परंतु विस्तार की जनता इसलिए मजबूर है कि जाए तो जाए कहां? जहां हर विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए हैं, कि लोग जनहित में नहीं बल्कि स्वहित में काम कर रहे हैं। लोगों का कहना है की कितनी भी लाशों की ढेर लगी हो परंतु सत्ता में बैठी सरकार को सिर्फ पैसा चाहिए, लोगों द्वारा दी गई अर्जी पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती सिर्फ पैसा उग्रहणी का कार्य किया जाता है। आप फोटो में देख सकते हैं की टूटी फूटी सड़कों पर कलर तो कहीं रेसिडेंशियल सोसायटी के बगल में कोलसे का गोदाम जिस बारे में तमाम लोगों द्वारा जीपीसीबी में आवेदन दिया गया परंतु किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई ऐसी स्थिति में जनता बेहाल पड़ी है। डेंगू मलेरिया अटैक ब्रेन हेमरेज जैसी बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष भवानीबेन पटेल की अध्यक्षता में नारी वंदन उत्सव के अंतर्गत 'महिला नेतृत्व दिवस' मनाया गया

सूरत। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भाविनीबेन पटेल की अध्यक्षता में जिला पंचायत स्थित महिला एवं बाल अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित नारी वंदन उत्सव कार्यक्रम के तहत %महिला नेतृत्व दिवस% मनाया गया. जिसमें विभिन्न गांवों के बालिका पंचायत के सरपंच व सदस्यों के साथ नेतृत्व को लेकर बातचीत की गयी.

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक महिला में नेतृत्व की शक्ति होती है, जिसका उपयोग वह अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में करती है और सफल नेतृत्व के माध्यम से समाज में आमूल-चूल परिवर्तन लाती है। प्रत्येक महिला को आपसी सहयोग की भावना के साथ उत्कृष्ट टीम वर्क का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर दिया और लड़कियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रत्येक माता-पिता से अनुरोध किया गया कि वे अपने बच्चों और विशेषकर बेटियों को उनकी पसंद के क्षेत्र में उच्च शिक्षा दिलवाएँ।

इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक श्री स्मिताबेन पटेल ने महिलाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे गंगा स्वरूपा सहाय, गंगा स्वरूपा पुनर्विवाह सहाय, सखी वन स्टॉप सेंटर, पुलिस आधारित सहायता केंद्र, महिला स्वावलंबन, नारी संरक्षण गृह, 181 अभयम हेल्पलाइन की जानकारी दी। एवं आवेदन की जानकारी दी गई।

इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों ने उन महिलाओं को सम्मानित किया जो समाज में प्रमुख स्थान रखती हैं और सफल नेता हैं और उनकी विशेष उपलब्धियों के माध्यम से अन्य महिलाओं को उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही विभिन्न गांवों के सरपंच और बालिका पंचायत के सदस्यों ने बालिका पंचायत की संरचना, उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य भारतीबेन राठौड़, अमीषाबेन परमार, सीताबेन राठौड़, करिश्माबेन राठौड़, मोनाबेन राठौड़, महिला एवं बाल अधिकारी राधिकाबेन गमीत, दहेज निषेध अधिकारी केवी लकुम, आईसीडीएस विभाग की कोमलबेन, महिला एवं बाल कार्यालय के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सूरत के उमरपाड़ा तालुक के सादडापानी गांव के शंकरभाई वसावा ने राज्य सरकार के आदिजाति विकास निगम से ऋण सहायता प्राप्त की और एक राईस मिल शुरू की

सूरत ।

गुजरात आदिवासी विकास निगम ने पूरे गुजरात राज्य के आदिवासी लोगों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए विभिन्न गतिविधियां शुरू की हैं। गुजरात में 9 जिलों में प्रायोजन कार्यालय कार्यरत थे। उसके बाद 2011 की जनगणना के अनुसार गुजरात की कुल जनसंख्या 6 करोड़ से अधिक है। जिसमें आदिवासियों की संख्या 89 लाख है. इस प्रकार लगभग 39 वर्षों में जनजातियों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। कुल आबादी का करीब 14.75 फीसदी हिस्सा आदिवासियों का है. और वर्तमान में, गुजरात के कुल 33 जिलों में से 14 जिलों में प्रायोजन कार्यालय कार्य कर रहे हैं। इसमें पालनपुर, खेडब्रह्मा, मोडासा, लूनावाड़ा, गोधरा, दाहोद, छोटाउदेपुर, राजपिपला, भरूच, मांडवी, सोनगढ़, वंसदा, वलसाड और डांग शामिल हैं। इन जिलों में निगम के कार्य प्रायोजन प्रशासक के माध्यम से किये जाते हैं।

युवा आगे बढ़ें, समाज और देश में अपना स्थान बना सकें तथा आत्मनिर्भर बन सकें, इसके लिए राज्य सरकार की अनेक योजनाएँ क्रियान्वित हैं। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों के लोग आत्मसम्मान के साथ जी सकें, उन्हें नया जीवन शुरू करने के लिए गुजरात आदिजाति विकास निगम द्वारा 4 प्रतिशत की कम ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है।

सूरत जिले के उमरपाड़ा तालुक के सादापानी गांव के शंकरभाई वसावा, जिन्होंने आदिजाति विकास निगम से 2 लाख का ऋण लेकर अपना चावल मिल व्यवसाय शुरू किया, कहते हैं कि मेरे परिवार में 5 सदस्य हैं जो पहले खेती का काम करते थे। जीवित बचना। एक दिन मेरे मित्र को पता चला कि राज्य सरकार आदिजाति विकास निगम व्यवसाय के लिए कम ब्याज पर ऋण प्रदान करती है। व्यवसाय ऋण लेना आपके परिवार के भरण-पोषण और आजीविका के लिए अच्छा रहेगा। इसके बाद आदिवासी उपयोजना कार्यालय ने आदिवासी विकास निगम में 2 लाख के ऋण के लिए आवेदन किया और 2 लाख का ऋण स्वीकृत हो गया।

उन्होंने आगे कहा कि ऋण राशि प्राप्त होने के बाद मैंने चावल मिल के लिए उपकरण खरीदकर चावल मिल का व्यवसाय शुरू किया और इससे अच्छी आय प्राप्त होने से बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी कम हो गया, इसलिए मैं शुरू करना चाहता हूं. आदिवासी उपयोजना और गुजरात सरकार को धन्यवाद।

राज्य सरकार के सहयोग से शंकरभाई वसावा ने कुछ कर दिखाया और अपने व्यवसाय के माध्यम से परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। चूंकि 2 लाख रुपये का ऋण चुका दिया गया है, इसलिए उन्हें अब अधिक वित्तीय स्वतंत्रता मिल गई है जिससे वह अपने परिवार की भलाई पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। शंकरभाई को अपने द्वारा शुरू किए गए चावल के आटे के व्यवसाय से प्रति वर्ष 1.50 से 2 लाख की आय होती है। सादापानी गांव के शंकरभाई कई युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' 2022 की विजेता टीम स्पुतनिक ब्रेन ने पेरिस 2024 के लिए 'टुगेदर फॉर टुमॉरो

गुरुग्राम।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, दुनिया भर में ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स के स्मार्टफोन पार्टनर, ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के प्रशंसकों सहित अनेक लोगों के लिए "टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल" नामक एक नई डिजिटल कम्युनिटी लॉन्च करने और उसे बढ़ावा देने के लिए 31 जुलाई को पेरिस में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ मिलकर एक कार्यक्रम आयोजित किया।

यह कार्यक्रम पेरिस 2024 को समर्पित पेरिस के बहुउद्देश्यीय प्रदर्शनी स्थल SPOT24 में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आईओसी के प्रेसिडेंट थॉमस बाक, आईओसी के टेलीविजन और मार्केटिंग सेवाओं के एमडी ऐनी-सोफी वोमार्ड, पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के प्रेसिडेंट एंड्रयू पार्सन्स, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट और ग्लोबल मार्केटिंग ऑफिस के हेड वायएच ली, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूरोप ऑफिस के प्रेसिडेंट इल-क्यूंग सुंग और पूर्व स्वर्ण पदक विजेता फ्रांसीसी हैंडबॉल खिलाड़ी और निपुण विजुअल ऑर्टिस्ट और पेरिस 2024 के लिए ओलंपिक संग्रहालय के नेतृत्व में ओलंपियन कलाकार कार्यक्रम के प्रतिभागी ल्यूक अबालो ने भाग लिया।

कोरियाई टीम के पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी, येओन कोंग किम, टीम जीबी स्केटबोर्डर एंडी मैकडोनाल्ड, ऑस्ट्रेलियाई पैरा-एथलीट मैडिसन डी रोजारियो और यूके कंटेंट क्रिएटर और रैपिंग साइंस टीचर,

मैट ग्रीन ग्लोबल एम्बेस्डर के रूप में इस प्रोजेक्ट में भाग लेने जा रहे हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल के लिए सक्रिय रूप से कंटेंट साझा करेंगे।

"टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल" प्रोजेक्ट सैमसंग और आईओसी द्वारा दुनिया भर के ओलंपिक और पैरालंपिक प्रशंसकों को ओलंपिक आंदोलन में भाग लेने और उससे जुड़ने में मदद करने के लिए विकसित किया गया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर केंद्रित है। इन नई कम्युनिटी को युवा प्रतिभागियों को "ओलंपिक के मूल्यों और भावना को समझने, आगे बढ़ने और स्थापित करने " में मदद करने के लक्ष्य के साथ डिज़ाइन किया गया है।

"टुगेदर फॉर टुमॉरो, इनेबलिंग पीपल" तीन नई कम्युनिटी से प्रेरित पहलों को पेश करता है। सॉल्व चैलेंज खेल और ओलंपिक को सैमसंग के सॉल्व फॉर टुमॉरो कार्यक्रम के साथ जोड़ता है। यह एक युवा-केंद्रित सामाजिक योगदान कार्यक्रम है। यह प्रोग्राम युवाओं को आईओसी के ओलंपिक 365 की प्राथमिकताओं के मुताबिक प्रमुख सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए खेल और तकनीक का इस्तेमाल करके अनूठे समाधान डिजाइन करने के लिए प्रेरित करता है। मूव चैलेंज दुनिया भर के खेल प्रशंसकों को सैमसंग के स्मार्ट मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके उठने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। क्रिएट चैलेंज, प्रतिभागियों को सैमसंग के स्मार्ट डिवाइस और एस पेन के जरिए एक खास डिजिटल कलाकारों के समुदाय में अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का मौका देता है।

Essilor® ने विराट कोहली की विशेषता वाला एक नया ब्रांड अभियान लॉन्च किया

नया अभियान एकल दृष्टि उपभोक्ताओं के लिए आईज़ेन0 और प्रगतिशील उपभोक्ताओं के लिए वेरिलक्स0 के अनूठे और बेहतर लाभों पर प्रकाश डालता है।

प्रिस्क्रिप्शन लेंस में दुनिया भर में अग्रणी ब्रांड Essilor® ने भारतीय ब्रांड चेहरे विराट कोहली के साथ अपना नया अभियान लॉन्च किया है। अभियान का उद्देश्य ब्रांड की स्थिति को मजबूत करना और दर्शकों को एसिलॉर के बेहतर उत्पाद प्रस्तावों से जोड़ना है जो सुधार आवश्यकताओं के लिए समाधान प्रदान करते हैं।

अभियान का पहला चरण Essilor® के सिंगल विज़न लेंस पर प्रकाश डालता है, उन लोगों के लिए जो लंबे समय तक डिजिटल उपकरणों के संपर्क में रहते हैं। अभियान फिल्म में लंबे समय तक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने वाले लोगों और आंखों में तनाव और थकान का सामना करने वाले लोगों के कई परिदृश्यों को दर्शाया गया है।

खुद Eyezen® पहनने वाले कोहली, Eyezen® लेंस के लाभों के बारे में बताते हुए दिखाई देते हैं, कि कैसे उन्हें डिजिटल स्क्रीन से दृश्य थकान को कम करने और नीली-बैंगनी रोशनी को फ़िल्टर करने, आंखों को आराम और सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अभियान का दूसरा चरण वेरिलक्स0, एस्सिलोर0 के प्रगतिशील लेंस के आसपास बनाया गया है, जिसका उपयोग प्रेसबायोपिया से जुड़ी दृष्टि समस्याओं को ठीक करने के लिए किया जाता है। अभियान फिल्म में विराट कोहली को वेरिलक्स0 के प्रचारक और वकील के रूप में दिखाया गया है जो अपने पुराने वर्षों से कोच रहे हैं।

फिल्म में दोनों को एक रेस्तरां में बातचीत करते हुए दिखाया गया है जहां कोहली अपने कोच के उल्लेखनीय संघर्ष को देखते हैं, जो एक डिजिटल डिवाइस को करीब से देखते हुए गैर-प्रगतिशील लेंस पहनता है। कोहली का सुझाव है कि उनके प्रशिक्षक ऐसी जटिलताओं से बचने और बेहतर दृष्टि पाने के लिए वेरिलक्स0 लेंस आज़माएँ। फिल्म एआई तकनीक और वेरिलक्स0 प्रोग्रेसिव लेंस की मदद से प्रेसबायोपिया को ठीक करने के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालती है।

बंदी छोड़ भक्ति मुक्ति ट्रस्ट जिला संगरूर द्वारा महितपुर,जिला जलंधर में संत रामपाल जी का एलसीडी से सत्संग हुआ

जलंधर/पंजाब (चन्द्रकान्त सी पुजारी)।

बंदी छोड़ भक्ति मुक्ति ट्रस्ट धुरी ज़िला संगरूर के अंतर्गत सतलोक आश्रम की तरफ से रॉयल घुमन रिसोर्ट ,महितपुर,ज़िला जलंधर में संत रामपाल जी महाराज का सत्संग एलसीडी के माध्यम से हुआ।हजारों की गिनती में भगतों ने बड़े ही ध्यानपूर्वक,श्रद्धा और अनुशासन में सत्संग सुना। सत्संग में सृष्टि रचना के बारे में अदभुत जानकारी दी गयी।पूर्ण गुरु की पेहचान और गुणों के बारे में बताया गया। पूर्ण परमात्मा कौन है उसके बारे में संपूर्ण जानकारी दी गयी। चार वेद और गीता जी मे लिखी शास्त्र अनुकूल सत भक्ति का संदेश दिया गया। सत्संग के बाद दहेज मुक्त विवाह (संत भाषा मे रमैनी) हुआ। लड़की और लड़के के परिवारों में 1 रुपये का लेन देन भी नही किया गया। बिना बैंड बाजे बड़े ही सरल तरीके से संत रामपाल जी के आदेश अनुसार विवाह संपन्न हुआ। वृक्ष आरोपण का महा अभियान भी शुरू किया गया।जिसके तहत जलंधर जिले में 900 से अधिक वृक्ष संत रामपाल जी महाराज सतलोक आश्रम के सेवादारों की तरफ से लगाय गए।इस मुहिम के तहत संत रामपाल जी के शिष्यों द्वारा पूरे प्रदेश में 50,000 से ज्यादा वृक्ष लगाए जा चुके है।जिला जलंधर में आते महितपुर ,नकोदर में पौधे बांटे गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पंजाब को हरा भरा बनाना,वातावरण को बचाना और वृक्ष विभिनता का संतुलन बनाये रखना है,और लोगों को जागरूक करना है।इसके तहत अलग अलग जिलो में स्थानिक प्रतिनिधियो के अनुकूल वृक्ष लगाए जा रहे है।सलोक आश्रम के सेवादार नरेश कौशिक प्रान्त संयोजक और जिला सेवादार दिनेश जोशी ने बताया कि ये अभियान लोगो को वातावरण के प्रति जागरूक करना और उनको वृक्षारोपण के महत्त्व के लिए चलाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य हर व्यक्ति हर साल कम से कम एक वृक्ष लागय और उसकी देखभाल भी करें ताकि हमारा वातावरण हर भरा रहे और आने वाली पीढ़ी के लिए एक सेहतमंद वातावरण बनाया जा सके।इस वृक्ष आरोपण अभियान ने समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है की एकजुट हो कर अगर यत्न किया जाए तो बड़े से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है और वातावरण की संभाल की जा सकती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इनोवा हाइक्रॉस जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) ग्रेड के लिए फिर से बुकिंग शुरू की

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने 1 अगस्त 2024 से इनोवा हाइक्रॉस जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) मॉडल के लिए बुकिंग फिर से शुरू करने की घोषणा की है। लॉन्च (नवंबर 2022) के बाद से इनोवा हाइक्रॉस को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, इसे एक एसयूवी के आकार और एमपीवी की विशालता के साथ इसके अनुपात के लिए सराहा गया है। बहुमुखी इनोवा हाइक्रॉस, जो सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वैरिएंट [एसएचईवी] के साथ-साथ गैसोलिन रूपांतर में उपलब्ध है, अपने ग्लैमर कोशंट, उन्नत टेक्नालॉजी, आराम, सुरक्षा सुविधाओं और ड्राइव करने के रोमांच के लिए मशहूर है।

भारी मांग के कारण, टॉप एंड ग्रेड की बुकिंग को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। इस अवधि में, इनोवा हाइक्रॉस के अन्य ग्रेड, हाइब्रिड और गैसोलिन दोनों के लिए बुकिंग निरंतर जारी रही। सुव्यवस्थित और बढ़ी हुई आपूर्ति के साथ, प्रतीक्षा अवधि कम हो गई है और इनोवा हाइक्रॉस के शीर्ष ग्रेड की बुकिंग शुरू हो गई है।

इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट, श्री सबरी मनोहर ने कहा, च्व्हम इनोवा हाइक्रॉस, जेडएक्स और जेडएक्स (ओ) के टॉप-एंड ग्रेड्स के लिए बुकिंग फिर से खोलने की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, जो 1 अगस्त 2024 से प्रभावी होगी। यह ग्राहकों की इच्छा पूरी करने के लिए हमारे विविध उत्पाद विकल्पों तक पहुंच प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इनोवा हाइक्रॉस एक बेहद मांग वाला मॉडल बन गया है, जिसे इसके बेजोड़ आराम और सुविधा के लिए सराहा जाता है। अपनी उन्नत तकनीक, मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम और मजबूत डिजाइन के साथ, इनोवा हाइक्रॉस ने बाजार में नए मानक स्थापित किए हैं। हम इस उत्पाद पर अपने ग्राहकों द्वारा दी गई मजबूत स्वीकृति और विश्वास से सही अर्थों में खुश हैं।

अस्थायी रोक की अवधि में हम अपने मूल्यवान ग्राहकों के धैर्य की सराहना करते हैं और उन्हें हुई असुविधा के लिए अफसोस जताते हैं। हमें यकीन है कि इनोवा हाइक्रॉस टॉप-एंड ग्रेड की बुकिंग फिर से शुरू होने से हमारे ग्राहकों के ड्राइविंग अनुभव और समृद्ध होंगे और तथा गतिशीलता आकांक्षाएं पूरी होंगी।

टोयोटा न्यू ग्लोबल आर्किटेक्चर (टीएनजीए) पर आधारित, इनोवा हाइक्रॉस टोयोटा की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता का सम्मान करता है और इससे ब्रांड की विरासत का पता चलता है। यह 5वीं पीढ़ी के सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सिस्टम द्वारा संचालित है। इसमें टीएनजीए 2.0-लीटर 4-सिलेंडर गैसोलिन इंजन और ई-ड्राइव सीक्वेंशियल शिफ्ट के साथ एक मोनोकोक फ्रेम है, जो 137 केडब्ल्यू (186 पीएस) का अधिकतम पावर आउटपुट देता है। यह तेज़ गति और सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ ईंधन अर्थव्यवस्था प्रदान करता है जो इनोवा हाइक्रॉस को हरित कल के लिए एक बुद्धिमान विकल्प बनाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)